दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 10 अंक : 161 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 04 जुलाई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.50 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

मुख्यमंत्री ने की बालेर- करणपुर सड़क निर्माण की घोषणा

शिविरों में आमजन को मिल रहा लाभ, पं. दीनदयाल उपाध्याय का सपना हो रहा साकार : सीएम भजनलाल

किसान, युवा, मजदूर, महिला का उत्थान हमारी प्राथमिकता

शिविर प्रशासन और जनता के बीच बन रहे सेतु

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे। शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

हर विधानसभा क्षेत्र के उन्नयन के लिए हो रहे अनेक काम

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास व उन्नयन के लिए काम कर रही है। खंडार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के शिवाड़ और बहरावण्डा खुर्द में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, विभिन्न सड़कों का चौड़ाईकरण और बनास नदी रपट निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। खंडार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राम जल सेतु परियोजना के तहत एनीकट निर्माण, पांचोलास से फलौदी सड़क मार्ग और आरसीसी कल्वर्ट ऑन कल्याणपुरा नाला विद अप्रोच सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी करवाए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर-करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की। इस दौरान मुख्यंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी प्रवीण बैरवा (एनएफएसए), सरोज (कन्यादान योजना), सम्पत्ति देवी (वृद्धावस्था पेंशन), रामवीर मीना (स्वामित्व पट्टा) मीना देवी (पीएम आवास योजना) को प्रमाणपत्र व चैक वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने समारोह परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर आमजन ने शिविर अपने प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। समारोह में विधायक जितेन्द्र गोठवाल, जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

वंचित वर्ग विकास की मुख्य धारा से ना छूटे

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं और 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम-ए के तहत 646 तथा कुसुम-सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

द्वारकाधीश दर्शन कर लौट रहा था परिवार

ट्रक में घुसी कार, मां-बेटी सहित 3 की मौत

जयपुर टाइम्स

सांचौर। भारतमाला एक्सप्रेस वे 754 पर आगे चल रहे ट्रक में कार घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि कार की पहचान करना मुश्किल हो गया। कार में 7 लोग सवार थे। हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ड्राइवर को अस्पताल में इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। पिता-पुत्र गंभीर घायल हो गए। दोनों को गुजरात के पालनपुर रेफर किया गया है। वहीं 2 बेटियों का स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी है। मामला जालोर से गुजर रहे भारतमाला एक्सप्रेस वे 754 का भादरुणा के झाब थाना इलाके का देर रात 2.15 बजे का है। घटना की सूचना मिलते ही झाब थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। झाब थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के जोगीवाली निवासी परिवार द्वारकाधीश दर्शन करके वापस लौट रहा था। इस दौरान एक्सप्रेस वे पर भादरुणा के पास का आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। घटना के समय कार में 7 लोग सवार थे। जिनमें मिठाईलाल, उनकी पत्नी सुभाषवती (45), बेटा आशीष, बेटी प्रमिला (12), अनीता (13), कविता (5) और ड्राइवर गुड्डु पांडे सवार थे। हादसे में सुभाषवती और बेटी प्रमीला (12) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार ड्राइवर गुड्डु पांडे की सांचौर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। उन्होंने बताया कि वहीं मिठाईलाल गोस्वामी और उनके बेटे आशीष को पालनपुर रेफर किया गया है। वहीं बेटी अनीता और कविता सांचोर अस्पताल में भर्ती है पुलिस ने मौके की फोटोग्राफी करवाई। क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क किनारे सुरक्षित खड़ा करवाया गया है। दुर्घटना के जिम्मेदार ट्रक की तलाश जारी है। हादसे की सूचना उत्तर प्रदेश में परिजनों को दे दी गई है।

पीएम मोदी द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

अकारा/एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है। पीएम मोदी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना से मिले सर्वोच्च सम्मान के लिए मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी'। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में 2500 राजनीतिक दल हैं। 20 अलग- अलग पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। यही वजह है कि भारत में आने वाले लोगों को भारत में भव्य स्वागत होता है। घाना में भारत के लोग उसी तरह घुले-मिले हैं जैसे चाय में शक्कर मिली होती है। पीएम ने कहा कि जब हम घाना को देखते हैं तो हम एक ऐसे राष्ट्र को देखते हैं जो साहस के साथ खड़ा है। समावेशी प्रगति के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने वास्तव में घाना को पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के लिए प्रेरणा का केंद्र बना दिया है।

राजस्थान को मिला नया डीजीपी

आईपीएस राजीव कुमार शर्मा ने संभाला पुलिस महानिदेशक का कार्यभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान पुलिस को गुरूवार को एक अनुभवी और निष्ठावान नेतृत्व मिला,जब वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कुमार शर्मा ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक पद का कार्यभार औपचारिक रूप से ग्रहण किया। जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित सादे समारोह में शर्मा ने निवर्तमान डीजीपी से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उच्च पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही। गुरूवार शाम पुलिस मुख्यालय पहुंचे शर्मा का डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पुलिसकर्मियों के दल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया और मौजूद समस्त

पुलिस अधिकारियों का परिचय लिया। इसके बाद उन्होंने विधिवत कार्यभार ग्रहण किया और मीडियाकर्मियों से संवाद किया। इस दौरान शर्मा ने पुलिस अधिकारियों की एक संक्षिप्त बैठक ली और चर्चा की।

भारत ने चीन को लगाई फटकार दलाई लामा के उत्तराधिकारी पर फैसला सिर्फ तिब्बती धर्मगुरु लेंगे

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली।एजेंसी। दलाई लामा के उत्ताराधिकारी के चुनाव को लेकर विवाद के बीच अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने चीन को फटकार लगाई है। रिजिजू ने गुरुवार को साफ शब्दों में कहा कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का निर्णय स्थापित संस्था और दलाई लामा ही लेंगे। इसमें किसी अन्य की कोई भूमिका नहीं होगी। तिब्बत के सर्वोच्च धमर्गुरु 14वें दलाई लामा ने जब से अपने उत्तराधिकारी को चुनने का एलान किया है, तब से चीन इस चुनाव में हस्तक्षेप करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को बीजिंग सरकार से मंजूरी लेनी होगी। बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कहा कि दलाई लामा संस्था जारी रहेगी और केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट को ही उनके उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार होगा। रिजिजू ने कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक संस्था हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके अगले अवतार का चुनाव स्थापित परंपरा और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार होना चाहिए। उनके और मौजूदा परंपराओं के अलावा किसी और को इसका निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। दलाई लामा के जन्मदिन पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे मंत्री बौद्ध धर्म को मानने वाले रिजिजू और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 14वें दलाई लामा तिब्बतियों और बौद्ध धर्म की नालंदा परंपरा का पालन करने वाले सभी लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संस्था हैं।

मोदी सरकार की चीन नीति पर कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाए सवाल

चीनी इंजीनियरों की वापसी पर सरकार चुप क्योंः खड़गे

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली।(एंजेसी) भारत और चीन के रिश्तों को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की चीन नीति पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने चीन की ओर से भारत में काम करने वाले इंजीनियरों की वापसी और भारत के लिए जरूरी खनिजों पर चीन की पाबंदी को लेकर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन हकीकत ये है कि चीन को भारत में निवेश और काम करने का खुला न्योता दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चीनी इंजीनियरों को आसानी से वीजा दिए ताकि वे यहां की कंपनियों में काम कर सकें और पीएलआई स्कीम का फायदा उठा सकें।

खरगे ने दक्षिण भारत में फॉक्सकॉन के आईफोन प्लांट से चीनी इंजीनियरों के बाहर जाने की खबर का हवाला देते हुए कहा कि ये सरकार की असफलता का उदाहरण है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चीन भारत की रीढ़ तोड़ रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि चीन ने भारत के लिए दुर्लभ खनिजों और 'रियर अर्थ मैग्नेट्स' के निर्यात पर सख्त पाबंदी लगा दी है। ये खनिज ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा और हाई सिक्योरिटी करंसी प्रिंटिंग के लिए बेहद जरूरी हैं।

चीन से नहीं मिल रही बातचीत की अनुमति

खरगे ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के प्रतिनिधिमंडल को चीन में अधिकारियों से मिलने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की आत्मनिर्भरता पर बड़ा असर पड़ेगा और चीन खुलेआम भारत के हितों को नजरअंदाज कर रहा है।

फर्टिलाइजर सप्लाई रोकने पर संकट में किसान

खरगे ने आरोप लगाया कि चीन ने पिछले दो महीनों से भारत को स्पेशलिटी फर्टिलाइजर की सप्लाई रोक दी है। भारत अपनी 80 फीसदी फर्टिलाइजर की जरूरत चीन से पूरी करता है, जिससे फलों, सब्जियों और अन्य फसलों की पैदावार होती है। उन्होंने कहा कि इससे पहले से संकट झेल रहे किसानों की परेशानी और बढ़ेगी। बता दें, बुधवार को राहुल गांधी ने भी विशेष फर्टिलाइजर की रोक पर चिंता व्यक्त की थी।

गलवान की घटना पर भी सरकार को घेरा

खरगे ने कहा कि पांच साल पहले गलवान घाटी में 20 भारतीय जवानों ने अपनी जान दी थी, लेकिन सरकार ने तब भी चीन को 'क्लीन चिट' दी। उन्होंने आरोप लगाया कि आज चीन इसका पूरा फायदा उठा रहा है और भारत की सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को सरकार की नीतियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार चीन पर ठोस नीति बनाए और भारत के हितों की रक्षा करे।

जिला कलक्टर ने किया रथयात्रा मार्ग व मेला स्थल का निरीक्षण

सभी व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ 4 जुलाई को जगन्नाथ मंदिर पुराना कटला से रूपबास तक निकाली जाने वाली जगन्नाथ महाराज की रथयात्रा के मार्ग व मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने रूपबास स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर के पास मेला ग्राउंड का निरीक्षण कर नगर निगम, विद्युत विभाग, पीडब्ल्यूडी, यूआईटी आदि विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मेला स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रहे। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को आज ही अंतिम रूप दिया जावे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि मेला स्थल पर पर्याप्त संख्या में चल शौचालय व फायर ब्रिगेड की व्यवस्था के साथ साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संख्या में टीमें कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि यूआईटी से समन्वय कर अतिवृष्टि की स्थिति में मेला स्थल पर पानी भराव होने पर मड पम्प आदि से पानी की निकासी करावे। मेला स्थल पर मेडिकल टीम मय एम्बुलेंस निरन्तर अपनी सेवाएं देना सुनिश्चित करें तथा पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम की पुख्ता व्यवस्था रखे। मेला स्थल पर नियंत्रण कक्ष 24 घण्टे कार्यरत रहे। उन्होंने निर्देश दिये कि मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं होवे इसके लिए दुकानदारों को पाबंद करें। साथ ही सभी दुकानदारों को कचरा पात्र अनिवार्य रूप से रखने के लिए भी पाबंद करें। उन्होंने भगवान जगन्नाथ रथयात्रा मार्ग का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि इस मार्ग पर किसी प्रकार का अवरोध नहीं रहे। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि रथयात्रा मार्ग में आने वाले विद्युत तारों को उचित दूरी पर करवाए ताकि रथयात्रा सुगमता से निकल सके। साथ ही ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित कर लेवे। उन्होंने पुराना कटला स्थित भगवान जगन्नाथ जी मंदिर के आसपास का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी रथयात्रा व मेले के संबंध में सौंपे गए दायित्वों को कार्ययोजना बनाकर पूरा करें।

जिला कलक्टर ने मेले की सुचारू व्यवस्था में सहयोग हेतु आमजन से की अपील

जिला कलक्टर ने बताया कि मेले व रथयात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा मेले की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रकार के पुख्ता इंतजाम किए हैं। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा की गई व्यवस्थाओं में श्रद्धालु सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करें। मेले की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशों की पालना करें। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ तेजपाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रियंका, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, नगर विकास न्यास के अधिशासी अभियन्ता कुमार संभव अवस्थी, पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियन्ता अल्का व्यास, तहसीलदार रश्मि शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भगवान जगन्नाथ के दूल्हा स्वरूप हुए दर्शन

बैंड बाजो के साथ आज निकेलगी रथ यात्रा

जयपुर टाइम्स

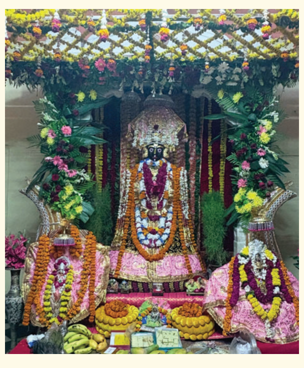

अलवर(निसं.)। जन जन के आराध्य देव भगवान जगन्नाथ तीन दिन के अंतराल के बाद गुरुवार को भगवान जगन्नाथ के दूल्हा रूप में भव्य दर्शन हुए जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन कर पूजा अर्चना की और भक्तिभाव से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। पंडित धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि तीन दिन के विश्राम के बाद भगवान ने अपने दुल्हा रूप में भक्तों को दर्शन दिए। इस अवसर पर विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया वही शाम को सीताराम महाराज की सवारी जगन्नाथ मंदिर सुभाष चौक से शुरु होकर रूपवास पहुंची वहीं आज भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी जो बैंड-बाजे के साथ शहर के विभिन्न भागों से होती हुई रूपवास पहुंचेगी। रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है और प्रशासन ने भी व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली है।

नालों में नहीं ऑटो टिपर में डाले कचरा तभी बनेगा स्वच्छ अलवर -निगम आयुक्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर में बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है जिससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि दो दिन पहले तेज बारिश के बाद एसएमएमडी, अंबेडकर सर्किल जैसे प्रमुख स्थलों पर नालों की सफाई करवाई गई थी। उन्होंने बताया कि सामान्यतः एक से डेढ़ घंटे में पानी निकल जाता है। चूड़ी मार्केट में जलभराव की सूचना मिलते ही तुरंत सफाई करवाई गई। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की टीम नियमित नालों की सफाई कर रही है और वह स्वयं मॉनिटरिंग करते हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि जैसे वे अपने घर की सफाई करते हैं, वैसे ही शहर का भी ध्यान रखें। नालों में कचरा न डालें और निर्धारित ऑटो टिपर व डस्टबिन का उपयोग करें। जब नागरिक और व्यापारी सहयोग करेंगे तभी अलवर को स्वच्छ और बेहतर बनाया जा सकेगा।

श्री जगन्नाथ मेले में महासभा द्वारा विभिन्न तरह की लगेगी प्याऊ व होगा भंडारा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री अग्रवाल महासभा, अलवर के तत्वाधान में श्री जगन्नाथ मेले पर्व पर हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री जगन्नाथ मेले में आने वाले भक्तों के लिए श्री अग्रवाल महासभा, अलवर द्वारा पानी की प्याऊ लगाई जा रही है। महासभा, अध्यक्ष अतुल किशोर गुप्ता ने बताया कि श्री जगन्नाथ मेले में दिनांक 6.7.2025 को आने वाले भक्तों के लिए तरह-तरह के शर्बत की प्याऊ लगाई जा रही है। दिनांक 8.07.2025 को रथ वापसी पर महाआरती का आयोजन किया जावेगा एवं मध्य क्षेत्र के सहयोग से विशाल भण्डारा आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक महेश चन्द गोयल व सह संयोजक जगन्नाथ गोयल ने बताया कि आर.ओ वॉटर की प्याऊ रहेगी एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ कागज के गिलास ही उपयोग में लाये जाऐगे एवं प्याऊ व भण्डारा स्थल पर साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था रखी जावेगी। उन्होने सभी अग्रबन्धुओ से आग्रह किया है कि सभी समय अनुसार इस पुनीत कार्य में अपनी सेवा प्रदान करें।

बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एसडीएम) अलवर ग्रामीण यशार्थ शेखर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत समिति उमरैण के सभागार में एक दिवसीय बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अनुपस्थित रहने वाले 6 कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस किया गया है। उन्होंने बताया कि बीएलओ-5 सेठ गणेशी लाल महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय चांदोली के पंचायत शिक्षक राम कुंमार, बीएलओ-17 रा.उ.प्रा.वि. झाडोली के प्रबोधक भवानी शंकर, बीएलओ-23 आंगनबाडी केंद्र पहाडीबास कारोली की आंगनबाडी कार्यकर्ता मीना कुमारी, बीएलओ-24 रा.प्रा.वि. हयाता का बास के प्रबोधक प्रेमचन्द, बीएलओ-26 रा.उ.प्रा.वि. जाजोरबास के शा.शि कृष्ण कुमार एवं बीएलओ-42 रा.उ.मावि. भजेडा के शा.शि उदयसिंह को प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने के कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना जवाब प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है। संतुष्टिपूर्ण जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर इनके खिलाफ निर्वाचन नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्ताव प्रेषित कर दिया जायेगा।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला अलवर की एक बैठक जिलाध्यक्ष मनोज कुमार चाचान की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों एवं वैश्य समाज के बंधुओं के साथ एल आई टी कॉलेज बहादुरपुर में हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के 6 जुलाई को स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम डढ़ीकर जिला अलवर में 500 पौधों का वृक्षारोपण कार्यक्रम का निर्णय लिया साथ ही इस बैठक में समाज के सभी पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राजस्थान के प्रभारी ध्रुव दास अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं जिलाध्यक्ष मनोज कुमार चाचान की सहमति से अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला अलवर के युवा अध्यक्ष एवं मुख्य संगठन के इकाई अध्यक्षों की घोषणा की जिसमे मोहित कुमार बटवाड़ा को युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बृजेश सराफ को अध्यक्ष राजगढ़ मुकेश खण्डेलवाल को अध्यक्ष गोविंदगढ़ मनोज जैन को अध्यक्ष बड़ोदामेव किशन बटवाड़ा को अध्यक्ष माचाड़ी भरतराम माहेश्वरी को अध्यक्ष थानागाजी राकेश खण्डेलवाल को अध्यक्ष टहला की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में वक्ताओं ने संगठन की एकजुटता, युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी और समाज के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

जिला कलक्टर की आमजन से अपील

जिले में नदी, नालों, बांधों, झरनों, वन क्षेत्र, जलशयों व वर्षाजल प्रवाह क्षेत्र आदि में सुरक्षा के मद्देनजर इनके पास नहीं जावें

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर जिलेवासियों व पर्यटकों से अपील की है कि अलवर जिले व आसपास के जिलों में विगत दिनों से बारिश का दौर जारी है, जिसके कारण जिले के नदी, नालों, बांधों, तालाबों आदि में बड़ी मात्रा में बारिश के पानी की आवक हो रही है और जलाशयों में जल स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है अतः ऐसी स्थिति में लोगों को अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और नदियों, नालों, बांधों, तालाबों, झरनों व जलशयों आदि में प्रवेश नहीं करें। इस दौरान पहाड़ों व वन क्षेत्र में भी लोगों को नहीं जाये, वन क्षेत्र में कही और हुई बारिश के कारण कभी भी नालों आदि में बहाव तेज हो सकता है जिसके कारण जनहानि हो सकती है। उन्होंने परिजनों से भी अपील करते कहा है कि आपका व आपके परिवार का जीवन अनमोल है अतः परिवार के साथ कही भी ऐसे स्थलों पर ना जाये व अपने बच्चों को भी ऐसी जगहों पर जाने से रोके। उन्होंने कहा कि प्रशासन व पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। उन्होंने कहा है कि जिले में किसी भी स्थान पर जल जनित घटनाओं की सूचना त्वरित रूप से अपने नजदीकी स्थानीय प्रशासन को देवे ताकि समयबद्ध रूप से राहत एवं बचाव कार्य किये जा सके।

उन्होंने कहा की अपनी और अपनों की सुरक्षा हेतु सतर्कता बरतें। उल्लेखनीय है कि जिला कलक्टर ने मानसून से पूर्व ही मानसून तैयारी बैठक लेकर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, समस्त उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारियों के साथ नगरीय निकाय, जल संसाधन व अन्य संबंधित विभागों की इस संदर्भ में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए थे। जिसकी अनुपालना में संबंधित विभाग सतर्कता बरत रहें है, लेकिन जिला प्रशासन, संबंधित विभाग के साथ आम नागरिकों आमजन के जीवन की रक्षा में जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों की पालना कर एक आदर्श नागरिक के रूप में अपना दायित्व का निर्वहन करें।

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडा

अंत्योदय शिविर आमजन के कामों के साथ सामाजिक सरोकार के बन रहें है प्रेरणास्रोत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविर सामाजिक सरोकार की दिशा में मिसाल साबित हो रहे हैं। शिविरों में एक पेड मां के नाम अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है तथा आमजन को मानसून में अधिकाधिक पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। वहीं शिविरों में 30 से अधिक विभागों के अधिकारी व कार्मिकों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सरकार की 63 योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को मौके पर ही उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिले में लग रहें प्रत्येक शिविर में पौधरोपण व बेटी जन्मोत्सव मनाया जा रहा हो जिसमें आमजन उत्साह के साथ न केवल भाग ले रहें बल्कि राज्य सरकार व जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल की सराहना कर इससे जुड़ रहें है। इसी कड़ी में जिले की मालाखेड़ा तहसील की ग्राम पंचायत बिलन्दी में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत लगाए गए शिविर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक सरोकार निभाते हुए एक पेड मां के नाम अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को प्रकृति की सुन्दरता में निखार लाने एवं पर्यारण को स्वच्छ बनाने हेतु मानसून के दौरान अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित सार-संभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

केक काटकाट मनाया बेटियों का जन्मोत्सव, दिया बेटी बचाओ-बेटी पढाओ का संदेश

थानागाजी तहसील की ग्राम पंचायत जोधावास में आयोजित शिविर में नन्ही-नन्ही बेटियों का केट काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान आमजन को बेटियों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आह्वान किया गया कि बेटे और बेटी को एक समान समझकर उन्हें समान अवसर देवे, जिससे बेटियां पढ-लिखकर अपने माता-पिता व देश का नाम रोशन करके अपने सपनों को साकार कर सके।

मुख्यमंत्री तिजारा के असलीमपुर ग्राम पंचायत बिरामपुर में आयोजित शिविर का करेंगे निरिक्षण आज

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 4 जुलाई 2025 (शुक्रवार) को तिजारा उपखंड के असलीमपुर, ग्राम पंचायत बिरामपुर का दौरा करेंगे। यह दौरा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जनसेवा शिविर के निरीक्षण हेतु निर्धारित है। मुख्यमंत्री का आगमन कार्यक्रम स्थल पर दोपहर 12:00 बजे निर्धारित है। इस अवसर पर वे शिविर कि सभी विभागीय स्टॉलों एवं योजनाओं का अवलोकन करेंगे तथा आमजन को संबोधित करेंगे। शिविर के दौरान राज्य सरकार द्वारा 16 विभागों की विभिन्न योजनाओं का लाभ आम जन को मौके पर दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग एवं यातायात नियंत्रण के विशेष प्रबंध शामिल हैं। मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

शिविर में पशुपालक भागीरथ के पशुधन के स्वास्थ्य का परीक्षण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर आमजन के लिए बहुत लाभकारी साबित हो रहे हैं। मौके पर ही ग्रामीणों को बेहतरीन सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। गुरुवार को जिले की चरला ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में गांव के ही पशुपालक भागीरथ पुत्र मूलाराम जाट के पशुधन का स्वास्थ्य परीक्षण हो पाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। भागीरथ बताते हैं कि उनकी गाय काफी समय से ग्याभिन नहीं हो रही थी और उन्हें शंका थी कि उनकी गाय अभी भी ग्याभिन नहीं है। लेकिन गांव में प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित शिविर उनकी समस्याओं का समाधान लेकर आया। वह बताते हैं कि उन्होंने शिविर में उपस्थित पशुपालन विभाग की टीम को अपनी गाय के गर्भाधान व स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आग्रह किया, जिस पर विशेषज्ञ वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी व उनकी टीम ने उनकी गाय का गर्भ परीक्षण किया गया, जिसमें उनकी गाय 2 महीने की ग्याभिन पाई गई। इसी के साथ इसके साथ उनकी एक पाडी का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया व उसके लिए भी दवाइयां दी।

एनसीडी कॉर्नर और मोबाइल मेडिकल वैन का हुआ शुभारंभ

70 से अधिक रोगियों ने लिया स्वास्थ्य शिविर में लाभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। लूपिन फाउंडेशन ओर राजस्थान सरकार के मध्य हुए समझौटें के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर (उमरैण) पर लूपिन फाउंडेशन द्वारा गैर संचारी रोगों के उपचार हेतु चलाई जा रही मोबाइल मेडिकल वेन का शुभारम्भ किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेन्द्र शर्मा रहे। ग्राम पंचायत अकबरपुर की सरपंच लुपिन फाउंडेशन की हेड तुषारा शंकरा एवं वरिष्ठ प्रतिनिधि वेदप्रकाश शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर मोबाइल मेडिकल वैन को रवाना किया गया इस अवसर पर एनसीडी स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 70 से अधिक रोगियों की जाँच एवं परामर्श प्रदान किया गया। कैंप में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर जैसे गैर-संक्रामक रोगों की स्क्रीनिंग की गई। मरीजों को आवश्यक दवाएं और परामर्श निःशुल्क प्रदान किए गए। साथ ही गैर संचारी कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने हेतु 8 टैबलेट ओर स्पिरोमीटर भी वितरीत किए गए कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक रवि धाडिच, प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव तुषार झालानी, दीनबंदु पालीवाल सहित मेडिकल टीम के डॉक्टर्स एवं संपूर्ण स्वास्थ्य स्टाफ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के शिविर बन रहे हैं मददगार

शिविरों में आमजन की वर्षों पुरानी समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दी जा रही है राहत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविर ग्रामीणों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। जिले में ग्राम पंचायतवार आयोजित शिविरों में विभागीय अधिकारियों द्वारा एक स्थान पर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर राहत दी जा रही है। अलवर जिले की रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत गढ़ी में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर आयोजित हुआ जिसमें राजस्व विभाग की टीम ने हाथों-हाथ प्रकरण पर संज्ञान लेकर ग्राम गढ़ी निवासी सत्यपाल के भूमि रिकॉर्ड में त्रुटि को दुरूस्त कर प्रार्थी को राहत प्रदान की। लाभार्थी सत्यपाल ने बताया कि मेरे आराजी ग्राम धनेटा में खाता नंबर 304 में बल्दियत सत्यपाल पुत्र मेवाराम गलती से दर्ज होने से काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से शिविर लगने की सूचना मिलने पर जब शिविर में आया तो राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा मेरे भूमि रिकॉर्ड का अवलोकन कर मौके पर ही जांच हाथों-हाथ मेरी समस्या का समाधान किया जिससे मैं बहुत संतुष्ट और प्रसन्न हूं। ग्राम पंचायत ललावण्डी में आयोजित शिविर में ग्राम ललावण्डी निवासी मनोहर के जमाबंदी रिकॉर्ड में नाम गलत दर्ज होने की परिवेदना का हाथों-हाथ समाधान कर जमाबंदी की नकल उपलब्ध कराई गई। प्रार्थी ने बताया कि जमाबंदी में गलत नाम दर्ज होने पर प्रकरण न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रामगढ में विचाराधीन है जिससे कोई भी काम नहीं हो पाने से काफी समस्याओं का सामना करना पड रहा था। वहीं ग्राम ललावंडी खाता संख्या 186 में रमेश चंद, फूलचंद सहखातेदार होने से भूमि का विभाजन नहीं हो पा रहा था। शिविर में अधिकारियों द्वारा समझाइश कर आपसी रजामंदी से भूमि का बराबर-बराबर विभाजन कर जमाबंदी की नकल उपलब्ध कराई गई। लाभार्थियों ने बताया कि भूमि का विभाजन होने से आपसी भाईचारा बढेगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के शिविरों में हाथों-हाथ काम होने से लाभार्थियों को राहत मिली है जिससे सभी लाभार्थी बहुत प्रसन्न है। लाभार्थियों ने राज्य सरकार द्वारा लगाए जा रहे अंत्योदय शिविरों को आमजन के अधूरे काम पूरा करने वाले शिविर बताते हुए सराहना की तथा मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशवासियों के कल्याण की भावना से शिविरों का आयोजन करने पर आभार जताया है।

बीएलओ का विधानसभा स्तर पर प्रशिक्षण शुरू, 17 जुलाई तक चलेगा कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का एक दिवसीय विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 जुलाई से 17 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 3, 4, 7, 8, 9, 14 और 15 जुलाई को ईआरओ, एईआरओ और मास्टर ट्रेनर्स द्वारा स्थानीय भाषा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम ईआरओ/एईआरओ की उपस्थिति में संपन्न होंगे, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। डॉ. सोनी ने यह भी निर्देश दिए कि जो मास्टर ट्रेनर्स 1 जुलाई को आयोजित प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे थे, उन्हें बीएलओ प्रशिक्षण से पूर्व उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण दिलवाया जाना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ ऐप, वीएचए ऐप और फॉर्म 6, 6ए, 7, 8 सहित अन्य आवश्यक फॉर्मों की पूरी जानकारी दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने निर्देशित किया कि जिन बीएलओ ने ह्वद्धह्लष्ठश्वरू नई दिल्ली से 'ए' ग्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें प्रशिक्षण देने वाले मास्टर ट्रेनर्स की सहायतार्थ लगाया जाए। प्रशिक्षण के बाद निर्वाचन विभाग की ओर से प्राप्त गूगल फॉर्म के माध्यम से बीएलओ का मूल्यांकन भी किया जाएगा, जिसके लिए 45 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। डॉ. सोनी ने सभी बीएलओ से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और सेशन प्लान के अनुसार सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समय-समय पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना बनी राहत की राह

167 किसानों को मिली 4 करोड़ 19 लाख 77 हजार रुपये की राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कांस.)। मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 समय पर ऋण नहीं चुकाने वाले किसानों के लिए फायदेमंद साबित हुई है। जयपुर जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड की ओर से योजना के बारे में किसानों को जागरूक किया गया, जिसके फलस्वरूप योजना अवधि के अंतिम दिवस 30 जून 2025 तक कुल 167 किसानों को 4 करोड़ 19 लाख 77 हजार रुपये की राहत प्रदान की गई। योजना के लाभान्वित किसानों को बैंक सचिव रजनी गुप्ता एवं वसूली प्रभारी मोहन कटारा द्वारा रहन मुक्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीएम-ओटीएस 2025-26 योजना के अन्तर्गत प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, जयपुर में जिन 61 किसानों द्वारा 25 प्रतिशत राशि जमा कराई वह किसान 30 सितम्बर, 2025 तक शेष राशि जमा कराकर अपनी राहत का लाभ ले सकेंगे। योजना के लाभांवित किसानों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जाताया है।

पंचायत समिति रींगस बनाने के लिए पूर्व मंत्री बाजिया ने उच्च न्यायालय जयपुर में याचिका दायर की

जयपुर टाइम्स

खण्डेला(निसं.)। पंचायतराज पुनगर्ठन 2025 के तहत पूर्व चिकित्सा राज्य मंत्री बंशीधर बाजिया ने क्षेत्र के आम नागरिक की मांग पर पंचायत समिति खण्डेला के पुनर्गठन करके रींगस को पंचायत समिति बनाने के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हनुमान चौधरी के द्वारा डायरी न. 31699/2025 एवं रजिस्ट्रेशन न. 9856/2025 याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई तारीख 07 जुलाई 2025 है। अधिवक्ता हनुमान चौधरी ने बताया कि सीकर जिले में सबसे बड़ी

पंचायत समिति खण्डेला है जिसमें कुल प्रस्तावित 52 ग्राम पंचायतों की कुल आबादी सत्र 2011 के अनुसार 257022 है। इसमें सरकार के आदेश के अधिनियम 1994 की धारा 9, 10 एवं 101 तथा संविधान के 13 वें संशोधन अधिनियम, 1992 के अनुच्छेद 243-बी और 243-सी सहित समस्त धाराओं को दरकिनार करके रींगस को पंचायत समिति प्रस्तावित नहीं की गई, जबकि सीकर जिले में सबसे बड़ी पंचायत समिति है जिसकी आबादी 257022 है एवं कुल ग्राम पंचायत 52 प्रस्तावित है। इसलिए उच्च न्यायालय ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पंचायतराज, जिला कलक्टर सीकर एवं उपखण्ड अधिकारी खण्डेला को प्रतिवादी बनाया गया है। इसी तरह ग्राम पंचायत चौमूं पुरोहितान का पुनर्गठन करके राजस्व ग्राम धीरजपुरा को नवीन ग्राम पंचायत प्रस्तावित करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, जिसका रजिस्ट्रेशन न. 9456/2025 है, जिसकी उच्च न्यायालय में सुनवाई तारीख 10 जुलाई है।

सर्वसाधारण के लिए राहत के केन्द्र बने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर

जयपुर में 2 जुलाई तक 310 शिविरों में 24 लाख से ज्यादा कार्यों का हुआ संपादन

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं कर रहे शिविरों की मॉनिटरिंग

अधिकारियों को शिविर में अधिक से अधिक लोगों को लाभांवित करने के दिये निर्देश

9 जुलाई, 2025 जयपुर जिले की 461 ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे शिविर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को शिविरों के सफल संचालन एवं आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी है साथ ही, शिविरों के सफल संचालन करते हुए ज्यादा से ज्यादा आमजन को राहत पहुंचाने के लिए निर्देशित किया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत जयपुर जिले में 2 जुलाई 2025 तक आयोजित 310 शिविरों में कुल 24 लाख 54 हजार 446 तरह के कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। जिसके अंतर्गत राजस्व विभाग के 10 हजार 347, ग्रामीण विकास विभाग के 1 लाख 31 हजार 319, पंचायती राज विभाग के 2 लाख 2 हजार 588, विद्युत विभाग के 25 हजार 778, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के 8 हजार 437, जल संसाधन विभाग के 38 हजार 339 कार्यों का संपादन किया गया है। वहीं, कृषि विभाग के 36 हजार 569, वन विभाग के 11 लाख 73 हजार 565, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के 59 हजार 883, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 3 लाख 49 हजार 278, पशुपालन विभाग के 2 लाख 27 हजार 782, जनजातीय विकास विभाग के 25, शिक्षा विभाग के 1 लाख 85 हजार 717, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 4 हजार 819 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 5 हजार 420 कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन कर लाखों आमजन को राहत पहुंचाई गई है। जयपुर जिले के आमेर उपखंड में आयोजित 15 शिविरों में 3 लाख 13 हजार 819, बस्सी में आयोजित 34 शिविरों में 4 लाख 13 हजार 892, मौजमाबाद में आयोजित 14 शिविरों में 1 लाख 60 हजार 296, जयपुर प्रथम उपखंड में आयोजित 9 शिविरों में 9 लाख, 5 हजार 482, सांभर में आयोजित 14 शिविरों में 1 लाख 34 हजार 896, जोबनेर में आयोजित 14 शिविरों में 1 लाख 17 हजार 97, फागी में आयोजित 12 शिविरों में 92 हजार 215, शाहपुरा में आयोजित 22 शिविरों में 1 लाख 79 हजार 753 कार्यों का निस्तारण किया गया। वहीं, दूदू में आयोजित 13 शिविरों में 93 हजार 267, सांगानेर में आयोजित 10 शिविरों में 69 हजार 343, रामपुरा डाबड़ी में आयोजित 22 शिविरों में 1 लाख 37 हजार 236, चौमूं में आयोजित 32 शिविरों में 1 लाख 71 हजार 310, किशनगढ़ रेनवाल में आयोजित 16 शिविरों में 86 हजार 103, चाकसू में आयोजित 33 शिविरों में 1 लाख 64 हजार 391, जमवारामगढ़ में आयोजित 37 शिविरों में 1 लाख 72 हजार 227, माधोराजपुरा में आयोजित 13 शिविरों में 53 हजार 119 कार्य हुए। गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा पखवाड़े के तहत जिले के 16 उपखण्डों की 19 पंचायत समितियों की 461 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन औसतन लगभग 35 ग्राम पंचायत में प्रातः 9:30 बजे से सायं 05:30 बजे तक आयोजित हो रहे शिविरों में 16 विभागों द्वारा 63 कार्य किए जा रहे हैं। शिविरों का आयोजन दिनांक 07 जुलाई तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एवं दिनांक 8 जुलाई एवं 9 जुलाई को फॉलोअप कैम्प तहसील मुख्यालय पर किया जायेगा। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक नोडल अधिकारी, तकनीकी नोडल अधिकारी और उपखंडवार नोडल प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

देशव्यापी वित्तीय समावेशन अभियान शुरू, 30 सितंबर तक चलेंगे विशेष शिविर

ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर, पात्र लोगों तक पहुँचेगी बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राज्य में आमजन तक बैंकिंग, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं की पहुँच को मजबूत बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन कर पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को शासन सचिवालय में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के समन्वय से अभियान को प्रत्येक पंचायत तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत निष्क्रिय खातों का पुनः सत्यापन, नए बैंक खाते खोलना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित किया जाए। कुमार ने निर्देश दिए कि इन शिविरों में डिजिटल बैंकिंग से जुड़ी धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी भी दी जाए। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता जताई और कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर बैंकिंग एजेंसियों, सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी, शिक्षक और अन्य राजकीय कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नवगठित जिलों में भी अभियान की प्रभावी क्रियान्विति के निर्देश दिए और कहा कि सभी संबंधित विभाग और बैंक आपसी समन्वय से कार्य करें। जन सुरक्षा पोर्टल के माध्यम से अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और ब्लॉक व जिला स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा कर प्रगति का आकलन किया जाए। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए वाल पेंटिंग, स्थानीय मीडिया, रैली और स्वयं सहायता समूहों की मदद ली जाएगी। राजीविका जैसे समूहों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष शिविर कम से कम एक बार आयोजित किया जाएगा, जो मुख्यतः शनिवार को होंगे। यह शिविर जिला कलेक्टर के नेतृत्व में और अग्रणी जिला प्रबंधक के समन्वय से संचालित किए जाएंगे, जिनमें सभी बैंकों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

नगर निगम ग्रेटर की बड़ी कार्यवाही: 6 केन्टर अस्थाई अतिक्रमण का सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की सतर्कता शाखा ने शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रवैया अपनाते हुए बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को नगर निगम की सतर्कता टीम ने प्रताप नगर, हल्दीघाटी मार्ग, एनआरआई सर्किल सहित कई स्थानों पर कार्रवाई कर 6 केन्टर अस्थाई अतिक्रमण का सामान जब्त किया। यह कार्यवाही प्रताप नगर सेक्टर 3 व 5, हल्दीघाटी मार्ग, एनआरआई सर्किल, भैरव सर्किल, देहलास के बालाजी और मलखेड़ा हाउस विद्याधर नगर के आसपास क्षेत्रों में की गई। अतिक्रमण हटाते समय सतर्कता टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को समझाइश दी तथा मौखिक रूप से पाबंद किया कि भविष्य में यदि किसी प्रकार का अस्थाई अतिक्रमण किया गया तो संबंधित व्यक्तियों पर भारी चालान लगाया जाएगा या अन्य सख्त कार्रवाई की जाएगी। सतर्कता शाखा के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जयपुर शहर में यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब्त किए गए सभी सामान को नगर निगम के गोदाम में सुरक्षित भिजवाया गया है। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा यह कार्रवाई यह संकेत देती है कि शहर में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का प्रयास जारी रहेगा। अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की है कि वे स्वयं भी अतिक्रमण से बचें और नगर निगम के प्रयासों में सहयोग करें।

सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित: जोराराम कुमावत

केबिनेट मंत्री ने जनहित को समर्पित की परियोजनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ दे रही है। मंत्री कुमावत ने यह बातें विधानसभा क्षेत्र के गांव सांडेराव में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में कही। उन्होंने जनहित को समर्पित परियोजनाओं का उद्घाटन एवं आधारशिला रखी। कुमावत ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये विकास कार्य स्थानीय जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने में सहायक सिद्ध होंगे तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति प्रदान करेंगे। इससे पहले मंत्री कुमावत ने भूतमगरी सांडेराव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में नवनिर्मित टीन शैड तथा सांडेराव के ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से 450 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से सात किमी. लंबी सांडेराव कोसेलाव-पावा से जोड़ चोराया मोकलसर सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं, राजस्थान सरकार की बजट घोषणा-2025-26 में स्वीकृत दो करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले करीब सवा किलोमीटर लंबे अटल प्रगति पथ का भी मंत्री जोराराम कुमावत ने शिलान्यास किया। इस अटल प्रगति पथ का निर्माण प्रजापतों के प्याऊ से मेन गेट सांडेराव से बस स्टेंड होते हुए कोसेलाव सड़क तक किया जाएगा। इसके साथ ही जोराराम कुमावत ने गंगावेरी रोड में गोचर चरागाह पर 1800 वृक्षों के लक्ष्यपूर्ति के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। मंत्री कुमावत ने कार्यक्रम स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है। वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाने मे सहयोगी हैं। साथ ही हमें फल, फूल व लकड़ियां प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत के प्रयासों से ग्रामीणों की मांग पर शिक्षा विभाग द्वारा भूतमगरी सांडेराव स्कूल को क्रमोन्नत करने तथा राजकीय महात्मा गांधी स्कूल में कला एवं कृषि विज्ञान संकाय खुलवाने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय लोगों ने मंत्री का आभार भी जताया। इसके अलावा सांडेराव से चंद्रेश्वर महादेव स्वीकृति पर भी मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किय। इस अवसर पर इस अवसर पर पंचायत समिति सुमेरपुर की प्रधान उर्मिल कंवर, जिला परिषद सदस्य तनुश्री चौहान, जिलामंत्री पूनम सिंह परमार, पंचायत समिति सदस्य भावना देवी, सांडेराव सरपंच हाकु देवी, पूर्व जिला मंत्री मुकन सिंह राणावत, सरपंच प्रतिनिधि रमेश कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष भगवत सिंह पावा, महिपाल सिंह जोधा, मंडल उपाध्यक्ष शंकर सिंह काकू, एसडीएम कालूराम, बीडीओ प्रमोद दवे, अमर सिंह, हिंगोला, जबरसिंह, पावा, तिरपाल सिंह राणावत, बांगड़ी, बूथ अध्यक्ष गोपाल सिंह, आंकदड़ा, कपूराराम घांची, पन्नालाल माली, गोरधन सिंह राजपुरोहित, इंद्र सिंह जाखोड़ा, नरेंद्र देवासी, जोराराम देवासी, हनुमानदास वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नई अप्रोच के साथ आगे बढ़ेगा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

शासन सचिव एवं आयुक्त ने विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नई अप्रोच के साथ काम करेगा। जनसम्पर्क की नई विधाओं और बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए परंपरागत प्रचार-प्रसार के साथ-साथ अब न्यू मीडिया पर विशेष रूप से फोकस किया जाएगा। इसके लिए विभाग को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ अधिकारियों का विभिन्न ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के जरिये कौशल संवर्धन किया जाएगा। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह एवं आयुक्त संदेश नायक ने गुरुवार को मुख्यालय पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। शासन सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतिगत निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की अहम भूमिका है। विगत वर्षों में मीडिया माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदला है और सूचनाओं के संप्रेषण में तकनीक का उपयोग महत्वपूर्ण हो गया है। इसे देखते हुए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में भी प्रचार-प्रसार से जुड़ी नवीनतम तकनीकों को अपनाया जाएगा। अर्चना सिंह ने सभी शाखा प्रभारियों से उनके दायित्वों एवं काम-काज के बारे में विस्तार से चर्चा की और निर्देश दिए कि राज्य सरकार की योजनाओं की ब्रांडिंग इस तरह से की जाए कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचाने की मंशा साकार हो सके। राज्य सरकार का प्रचार-प्रसार रचनात्मक होने के साथ-साथ जानकारी परक हो और आमजन के लिए उपयोगी हो। प्रचार-प्रसार के दौरान लक्षित वर्ग का भी ध्यान रखा जाए ताकि सरकार के कार्यों का संदेश सही व्यक्ति तक सही समय पर पहुंचे। सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त संदेश नायक ने जनसम्पर्क के विभिन्न माध्यमों यथा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, सोशल मीडिया, आउटडोर मीडिया आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राज्य सरकार के आंख-नाक-कान हैं। विभागीय अधिकारियों का दायित्व है कि वे सकारात्मक व रचनात्मक सोच के साथ जनसम्पर्क के दायित्वों का निर्वहन करें और आमजन का जीवन बेहतर बनाने में योगदान दें। उन्होंने आर.जे.एच.एस., पत्रकारों के अधिस्वीकरण सहित अन्य विषयों पर भी समीक्षा की और पत्रकार कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यालय स्थित विभिन्न शाखाओं यथा विज्ञापन शाखा, क्षेत्र प्रचार शाखा, इलेक्ट्रोनिक मीडिया शाखा, समाचार शाखा, सोशल मीडिया शाखा, प्रकाशन शाखा, छायाचित्र शाखा, शोध एवं संदर्भ शाखा एवं राजस्थान संवाद सहित सम्पूर्ण विभागीय परिसर का दौरा किया और इन कार्यों में संपादित किए जाने वाले कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी शाखाओं में काम-काज को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) अरविंद सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक (सूजस) नर्बदा इंदौरिया, वित्तीय सलाहकार वीरेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) मनमोहन हर्ष, संयुक्त निदेशक (पीआरबी) शिप्रा भटनागर, उप निदेशक (सोशल मीडिया) विजय खंडेलवाल, उप निदेशक (इलेक्ट्रोनिक मीडिया) तरुण जैन, उप निदेशक (संवाद) ओटाराम चौधरी, उप निदेशक (पत्रकार शाखा) अजय कुमार, मुख्य फोटो अधिकारी छोटू लाल जीनगर सहित विभागीय के अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता

फलस्वरूप हिंदू और मुसलमान, दोनों ही अलग-अलग कारणों से भारत आते रहे। बांग्लादेश के इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के अनुसार 1951और 1961 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से 35 लाख व्यक्ति 'गायब' हो गए। इसी प्रकार 1961 से 1974 के बीच 15 लाख व्यक्तियों का भी कुछ पता नहीं चला। ये व्यक्ति हवा में नहीं उड़ गए। ये सब भारत चले आए। बांग्लादेश के बुद्धिजीवियों ने लेबेंस्राम की भी एक थ्योरी चलाई। इसके अनुसार अधिक जनसंख्या के क्षेत्र से कम जनसंख्या के क्षेत्र में लोगों का प्रवाह एक सामान्य प्रक्रिया है और बांग्लादेशियों का भारत जाना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से भारत की किसी भी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स बनाई थीं। इनमें से एक टास्क फोर्स बार्डर मैनेजमेंट यानी सीमा प्रबंधन से संबंधित थी। इसके अध्यक्ष माधव गोडबोले थे, जो बाद में केंद्रीय गृह सचिव...

बांग्लादेशियों की भारत में बड़ी संख्या में घुसपैठ से पैदा समस्याओं के प्रति भारत में दशकों तक सुस्ती दिखाए जाने के बाद अब कुछ जागृति दिखाई दे रही है। कई राज्यों में उनकी धरपकड़ हो रही है और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजे जाने के प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में ही पिछले छह महीनों के दौरान करीब 800 बांग्लादेशी पकड़े गए और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा गया। असम में विशेष तौर से बांग्लादेशियों के विरुद्ध अभियान चल रहा है। असम ने एक आदेश जारी किया है कि जब तक जिला मजिस्ट्रेट सत्यापित नहीं कर देंगे, तब तक किसी को आधार पहचान पत्र नहीं मिलेगा। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा से भी अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ के समाचार आए हैं, फिर भी हमें यह समझना होगा कि जो कार्रवाई हो रही है, वह बांग्लादेशियों की बहुत अधिक संख्या को देखते हुए शून्य है। वैसे तो तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से कुछ लोग बराबर भारत में घुसपैठ करते रहे। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद सोचा गया कि अब घुसपैठ कम हो जाएगी, पर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। नया देश बनने के बाद भी वहां अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न होता रहा और उनकी स्थिति खस्ताहाल बनी रही। फलस्वरूप हिंदू और मुसलमान, दोनों ही अलग-अलग कारणों से भारत आते रहे। बांग्लादेश के इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के अनुसार 1951और 1961 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से 35 लाख व्यक्ति 'गायब' हो गए। इसी प्रकार 1961 से 1974 के बीच 15 लाख व्यक्तियों का भी कुछ पता नहीं चला। ये व्यक्ति हवा में नहीं उड़ गए। ये सब भारत चले आए। बांग्लादेश के बुद्धिजीवियों ने लेबेंस्राम की भी एक थ्योरी चलाई। इसके अनुसार अधिक जनसंख्या के क्षेत्र से कम जनसंख्या के क्षेत्र में लोगों का प्रवाह एक सामान्य प्रक्रिया है और बांग्लादेशियों का भारत जाना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से भारत की किसी भी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स बनाई थीं। इनमें से एक टास्क फोर्स बार्डर मैनेजमेंट यानी सीमा प्रबंधन से संबंधित थी। इसके अध्यक्ष माधव गोडबोले थे, जो बाद में केंद्रीय गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अगस्त 2000 में भारत सरकार को सौंपी रिपोर्ट में खेद प्रकट किया कि देश में हर पार्टी में इस समस्या के प्रति उदासीनता थी और किसी भी राज्य या केंद्र सरकार ने इसके दुष्परिणामों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने साफ लिखा कि इस समस्या को लेकर सारी जानकारी और उससे निपटने के पर्याप्त संसाधन थे, पर राजनीतिक वर्ग में समस्या से निपटने के तरीकों में कोई 'सहमति' न होने के कारण निष्क्रियता रही। टास्क फोर्स के आकलन के अनुसार हर महीने करीब 25 हजार यानी प्रतिवर्ष तीन लाख बांग्लादेशी अवैध तरीके से भारत आते रहे और भारत में उनकी कुल संख्या उस समय तक करीब 1.5 करोड़ थी। बांग्लादेश-भारत सीमा पर जैसे-जैसे फेंसिंग लगती गई, घुसपैठियों की संख्या में कमी होती गई। फिर भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या भारत में इस समय कम से कम दो करोड़ होगी। 2001 में मंत्रियों के एक समूह ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में उल्लेख किया कि बांग्लादेश से जो घुसपैठ हो रही है वह देश की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति के लिए एक गंभीर खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2005 में एक फैसले में कहा कि असम में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण आंतरिक उथल-पुथल और विदेशी आक्रमण जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और इस परिस्थिति में भारत सरकार का कर्तव्य बनता है कि असम की सुरक्षा के लिए संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाई करे।

यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि टास्क फोर्स की रिपोर्ट, मंत्रियों के समूह की चेतावनी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी भारत सरकार की नींद नहीं खुली और स्थिति जस की तस बनी रही। क्या यूपीए सरकार, क्या एनडीए सरकार, किसी ने कुछ नहीं किया। अब जब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है और शेख हसीना वहां से बचकर भारत में निर्वासित रूप में रह रही हैं और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार का गठन हो गया है, जो भारत विरोधी है, तब सबको लग रहा है कि कुछ करना चाहिए। समकालीन वैश्विक परिदृश्य को देखें तो तमाम देश अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान छेड़े हुए हैं। अमेरिका में विभिन्न देशों से घुसपैठ कर आए हुए सभी व्यक्तियों को जबरन उनके देश वापस भेजा जा रहा है। पाकिस्तान ने भी करीब 13 लाख अफगानों को वापस अफगानिस्तान भेज दिया है। मलेशिया से भी बांग्लादेशियों के विरुद्ध कार्रवाई की खबर आ रही है। ऐसे माहौल में भारत में अवैध तरीके से घुसे बांग्लादेशियों और म्यांमार से रोहिंग्या घुसपैठियों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर कार्रवाई में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। फिलहाल विभिन्न राज्यों में जो कार्रवाई हो रही है, उससे लगता है कि हम शायद कुछ हजार बांग्लादेशियों को ही वापस भेज पाएंगे। बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों के भारत में रहने की स्थिति से हमें समझौता करना पड़ेगा। अगर ऐसा होता है तो हमें तीन बातें सुनिश्चित करनी होंगी। पहली, अवैध रूप से आए बांग्लादेशियों को अलग पहचान पत्र दिए जाएं, जिसके अंतर्गत उन्हें देश में रहने और काम करने की अनुमति हो।

सम्पादकीय

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता जरूरी

आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है। परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति को बल मिला है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। वैसे संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकियों को वैश्विक सूची में शामिल किया है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि सब कुछ जानते हुए हाल ही में पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष किस आधार बनाया गया? अब क्वाड में शामिल देशों अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और अपने दायित्वों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी संबंधित प्राधिकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। इतना ही नहीं, क्वाड ने अपने संदेश में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का भी दृढ़तापूर्वक समर्थन किया है। इस संदेश में भले ही पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया गया, लेकिन आतंकवाद का पालन-पोषण कौन करता है

जुंबा ने खड़ी कर दी कट्टरपंथियों की

केरल की वामपंथी सरकार की इसके लिए सराहना होनी चाहिए कि उसने युवाओं को नशे से बचाने के लिए स्कूलों में जुंबा कराने के अपने फैसले पर कायम रहना तय किया। जुंबा नृत्य और संगीत आधारित एक एरोबिक गतिविधि है। इसे मनोरंजन के साथ-साथ सेहत और विशेष रूप से फिटनेस के लिए उपयुक्त माना जाता है। यह दुनिया भर में लोकप्रिय है। उपयोगिता सिद्ध होने के चलते ही उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। यह आम धारणा है कि छात्रों और युवाओं को जुंबा के प्रति आकर्षित कर उन्हें नशे एवं अन्य हानिकारक प्रवृत्तियों से दूर रखा जा सकता है। दुनिया भर में युवाओं विशेष रूप से छात्रों को ड्रग्स से बचाने के लिए जो तमाम उपाय किए जाते हैं, उनमें से एक जुंबा भी है। इसे प्रचलित करने का श्रेय एक कोलंबियाई फिटनेस ट्रेनर अल्बर्टो "बैटो" पेरेज को जाता है। उन्होंने डांस और म्यूजिक के जरिये लोगों को फिटनेस की ट्रेनिंग देनी शुरू की। जब इस नए-अनोखे तरीके की लोकप्रियता बढ़ गई तो उन्होंने एक कंपनी बना ली। जुंबा की लोकप्रियता बढ़ने के साथ अलग-अलग देशों में उसे अपने यहां के गीत-संगीत पर आजमाना शुरू कर दिया गया। भारत में इसे बालीवुड फिल्मों के गानों के साथ भी किया जाता है। चाहें तो गूगल करके देखें और सुनें। इसे महिलाएं और बुजुर्ग भी करते हैं। इससे इन्कार नहीं कि हाल के वर्षों में भारत में छात्रों और युवाओं के बीच नशे का चलन बढ़ा है। पहले उत्तर पूर्व के राज्यों में बड़ी संख्या में युवा नशे का शिकार बने। इसके बाद पंजाब में और अब तो कई अन्य राज्यों में ड्रग्स लेने वाले छात्रों और अमीर-गरीब युवाओं की संख्या बढ़ रही है। रेव पार्टियां आम सी हो रही हैं। केरल में ड्रग्स की समस्या को देखते हुए ही मुख्यमंत्री पी. विजयन ने स्कूलों में जुंबा करने का फैसला लिया, लेकिन कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों को जुंबा में अश्लीलता और अनैतिकता दिख गई। कई मुस्लिम संगठनों ने स्कूलों में जुंबा कराने के केरल सरकार के फैसले का विरोध किया। किसी ने कहा कि लड़के-लड़कियां एक साथ डांस करेंगे। किसी ने कहा कि यह हमारी मजहबी मान्यताओं के खिलाफ है। ऐसा कहने वाले केरल के कुछ छात्र एवं युवा मुस्लिम संगठन भी हैं। केरल के जिन मुस्लिम संगठनों ने जुंबा को अश्लीलता आदि बढ़ाने वाला करार दिया, वे वही हैं जिन्हें योग भी रास नहीं आता। इनके लिए बुर्का तो उपयोगी और सेक्युलर किस्म का परिधान है, लेकिन साड़ी केवल हिंदू महिलाओं का परिधान और माथे पर तिलक... तो तौबा तौबा। खुद को सेक्युलर और अपने गठबंधन को इंडिया कहने वाले दलों के नेताओं को ऐसे ही कट्टरपंथी संगठनों के खिलाफ बोलने में शर्म आती है। मौका मिलता है तो वे किंतु-परंतु करके कट्टरपंथी संगठनों के साथ खड़े होना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे वोट बैंक सुरक्षित होता है। वास्तव में सेक्युलर भारत की यही हकीकत है और इसीलिए इस पर हैरानी नहीं कि आपातकाल में संविधान की प्रस्तावना में जबरन ठूंसे गए सेक्युलर शब्द की बेशर्मी से हिमायत की जा रही है। मानो आपातकाल के पहले भारत घोर सांप्रदायिक था। हैरानी इस पर नहीं कि केरल के मुस्लिम संगठन जुंबा के खिलाफ खड़े हो गए हैं। हैरानी इस पर है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक संगठन को भी इसमें खोट नजर आया। उसकी ओर से यह कहा गया कि जुंबा फिटनेस प्रोग्राम सांस्कृतिक आक्रमण है। पता नहीं वह कैसे इस नतीजे पर पहुंचा। उसने जाने-अनजाने खुद को कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के साथ ही खड़ा कर लिया। यह धारणा मूर्खतापूर्ण है कि पश्चिम का सब कुछ बुरा है। यदि ऐसा है तो क्या उन लोगों की ओर से पश्चिम की सभी चीजों का परित्याग किया जाएगा, जो कह रहे हैं कि आखिर जुंबा की जगह योग क्यों नहीं? योग की महत्ता से इन्कार नहीं, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि छात्रों के बीच जुंबा आसानी से लोकप्रिय होने वाली एरोबिक गतिविधि है। यह अच्छा है कि केरल सरकार ने कहा कि हर मामले को सांप्रदायिक और मजहबी नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। काश वह ऐसा तब भी कह पाती, जब केरल में हमास के आतंकियों का गुणगान हो रहा था। केरल देश का सबसे प्रगतिशील राज्य माना जाता है। यह आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत संपन्न है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यहां कट्टरता बढ़ रही है। भारत को इस्लामी देश बनाने का ख्वाब देखने वाला पीएफआइ यहीं फला-फूला और सबसे खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में भर्ती होने के लिए केरल से ही तमाम युवक गए।

आदतों का कचरा

अनेक डंपरों के पास भी कबाड़ फैला हुआ है। कितनी जगह देखा कि नीले और हरे बॉक्स नए और साफ-सुथरे खड़े हैं। इनमें कचरा डालेंगे तो ये गंदे हो जाएंगे, शायद समझदार नागरिक ऐसा नहीं करना चाहते। ऐसा लगता है कि हमें अपनी बिगड़ी हुई सांस्कृतिक आदतों से प्यार है। पॉलीथिन और प्लास्टिक से लगाव का कारण समझना मुश्किल है। कहीं चाय के लिए रुकें तो ढाबे और रेस्टोरेंट वाले अपना सब तरह का कूड़ा अपने ही आस-पड़ोस में या बहती नदी पर बने पुल के पास फेंक रहे हैं।

कुदरत की हर रचना खूबसूरत है। इसका काफी कुछ खुद बिगाड़ने के बाद भी हम लगातार इसकी अनदेखी किए जा रहे हैं। अपनी लापरवाही, स्वार्थ और विकास के साथ बढ़ती दोस्ती के कारण उतना ध्यान नहीं देते कि प्रकृति के आंगन में बढ़ती गंदगी साफ होती रहे। किसी से भी प्रेरणा लेना अब हमें नहीं भाता। पॉलीथिन और प्लास्टिक का प्रयोग कानूनन बंद है। व्यक्तिगत, राजनीतिक, सामाजिक संस्थाओं, जुलूसों, बैठकों और सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का फर्क पड़ा है, लेकिन अगर गाड़ी और पद से उतर कर सचमुच पैदल चल कर संजीदा दिमाग और वाकई खुली आंखों से देखा जाए तो तस्वीर उजली नहीं है। सामने के अनेक डरावने चित्र खींचे जा सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में जाना हुआ। हरे और नीले बॉक्स लगे हुए पुराने लेटर-बाक्स की याद दिलाते हैं। मगर जैसे अब हम पत्र लिखना पसंद नहीं करते, उसी तरह इन डिब्बों में अभी भी कूड़ा-कचरा डालना पसंद नहीं करते। लोग यहां-वहां कूड़ा-कचरा फेंकते दिखते हैं। नालियों में कचरा फंसा है और उसमें पानी की कमी के कारण बदबू फैलती रहती है। पर्यटक अभी भी बीयर, पानी, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, नैपकिन और फल वगैरह चलती कार से बाहर फेंकते दिखे। कूड़ा निष्पादन के बारे में अज्ञान तो नहीं है, घोर लापरवाही है। कहीं दुकान के बाहर गत्ते का डिब्बा रखा है, पॉलीथिन कोने में पड़े हैं। उखड़ी हुई सड़कों के आसपास टूटे पत्थर, मिट्टी के ढेर, लकड़ी के टुकड़े, बोतलें, उड़ते पॉलीथिन पेड़ों पर लटके, यहां-वहां पड़े हैं। एक जगह पर दो दिन लगातार देखा कि कचरा पेटी में आग लगा कर निबटाया जा रहा है। अनेक डंपरों के पास भी कबाड़ फैला हुआ है। कितनी जगह देखा कि नीले और हरे बॉक्स नए और साफ-सुथरे खड़े हैं। इनमें कचरा डालेंगे तो ये गंदे हो जाएंगे, शायद समझदार नागरिक ऐसा नहीं करना चाहते। ऐसा लगता है कि हमें अपनी बिगड़ी हुई सांस्कृतिक आदतों से प्यार है। पॉलीथिन और प्लास्टिक से लगाव का कारण समझना मुश्किल है। कहीं चाय के लिए रुकें तो ढाबे और रेस्टोरेंट वाले अपना सब तरह का कूड़ा अपने ही आस-पड़ोस में या बहती नदी पर बने पुल के पास फेंक रहे हैं। बेचारी नदी की जिम्मेदारी तो कब से इसे अपने साथ बहा ले जाने की मान ली गई है। पत्थरों के बीच बहते पानी में पॉली लिफाफों में भरा घरेलू कचरा, लकड़ी के टुकडें, कपड़े, पॉलीथिन, प्लास्टिक और लोहा, यहां तक कि पुराने टीवी के कैबिनेट तक फंसे हैं। कई बाजारों में घुसते ही नाक दबानी पड़ती है। इतनी बदबू है कि मन करता है कि वहां जाकर प्रशासन से सवाल करना चाहिए। कूड़े-कचरे और कबाड़ को हटाने के लिए महज आश्वासन नहीं, इंसानी प्रयास और दृढ़ इच्छा शक्ति चाहिए। लेकिन इस मसले पर अभी तक हमारे दिमाग में कचरा भरा हुआ है। कितनी बार शैलेंद्र का लिखा गीत जुबान पर आता है- 'दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाईञ्ज काहे को दुनिया बनाई'। फेसबुक पर यह लिख भर देने से क्या हम सचमुच समस्या का सामना कर लेते हैं? मीडिया में कितनी बार फोटो के साथ खबरें छपती हैं, मगर प्रशासन की दूसरी प्राथमिकताएं रहती हैं। ऐसे में अनगिनत जगह लिखे क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के विज्ञापन महज पैसा कमाने का पर्याय लगते हैं। अधिकतर बाजारों, गलियों, किनारों, कोनों, नालों और नालियों में गंदगी और उसकी सड़ांध पसरी हुई हैं। पुरानी और नई इमारत का कबाड़ रिहाइशी क्षेत्र से बाहर फेंक दिया जाता है। वहीं कहीं यह बोर्ड भी लगा होता है कि 'यहां कूड़ा-कचरा फेंकने पर जुर्माना लगाया जाएगा।' लेकिन जुर्माना कौन करेगा और किस पर? प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर बड़े ओहदेदार मंत्री और संतरी स्वार्थ साधने, पूजापाठ कराने आते हैं। लेकिन उनके पास सामाजिक कामों के लिए वक्त नहीं रहता। हरिद्वार जैसे प्रसिद्ध तीर्थ पर देखा गया कि लोग 'हर की पैड़ी' के पास नहा कर बच्चों के डायपर तक वहीं फेंक जाते हैं। कुछ कदम पीछे ही पुल के नीचे पानी में फैली गाद, प्लास्टिक बोतलें, पुरानी मूर्तियां, पुराने कपड़े और कचरा गंगा का हिस्सा है। पार्किंग स्थल पर भी पानी की तरह फैला है कूड़ा। प्रसिद्ध तीर्थ पेहवा का हाल भी अलग नहीं है। यहां पुलों के नीचे कचरा शान से पसरा हुआ है। क्या यह सब हमारी बिगड़ी हुई आदतों का कचरा नहीं है

नयनतारा ने अपने किरदार को लेकर किया खुलासा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टेस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने अब अपनी नेटफ्लिक्स फिल्म टेस्ट में अपने किरदार कुमुधा को पेश किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का टीजर भी जारी किया। नयनतारा ने कुमुधा का किरदार निभाया है, जो एक दृढ़ महिला है, जो एक साधारण जीवन, प्यार से भरा जीवन, एक छोटा सा घर, एक समर्पित पति और एक बच्चे का सपना देखती है। फिल्म में कुमुधा की यात्रा प्रेम और त्याग की कहानी है, जो शक्ति और त्याग से भरी है। चुनौतियों के बावजूद, वह कभी भी अपने सपनों की जिंदगी जीने से पीछे नहीं हटती। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नयनतारा ने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, कुमुधा की ताकत उसके सपनों की सादगी में है- एक घर, एक परिवार और स्थायी प्रेम, लेकिन जीवन उसे ऐसे तरीकों से परखता है,जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी और उसे उन चीजों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है, जो वास्तव में मायने रखती हैं।

इसके अलावा नयनतारा ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को टेस्ट में कुमुधा की यात्रा दिखाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा को पेश करना अत्यंत मार्मिक था और मैं आशा करती हूं कि दर्शक उनकी हर भावना को महसूस करेंगे। टेस्ट प्रेम, तयाग और अटूट आशा की कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर सभी को इसका अनुभव देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

वहीं, जारी हुए टीजर की बात करें तो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नयनतारा ने टीजर शेयर किया करते हुए लिखा, इस टीचर के लिए असफलता कोई विकल्प नहीं है। कुमुधा अपनी सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षा का सामना करने वाली है।

शशांक खेतान के निर्देशन में बनी रही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने अदाकारी की है। यह फिल्म इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। होली के कुछ दिनों बाद, निर्माताओं ने रोमांटिक ड्रामा की रिलीज की तारीख का ऐलान किया है। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी।

इस तारीख को रिलीज होगी

जाह्नवी और वरुण की फिल्म शूटिंग हुई पूरी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी शशांक खेतान की पिछली फिल्मों जैसे हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और इसके सीक्वल बद्रीनाथ की दुल्हनिया की तर्ज पर एक रोमांटिक ड्रामा होगी। इससे पहले, जब टीम ने वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत एक रोमांटिक फिल्म का ऐलान किया था, तो अटकलें लगाई जा रही थीं कि अभिनेत्री आलिया भट्ट की जगह लेंगी। हालांकि, बाद में यह साफ किया गया कि यह फिल्म उस फ्रैंचाइज का हिस्सा नहीं है।

पूरी हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

टीम ने पिछले साल सितंबर में उदयपुर में शूटिंग पूरी की थी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि निर्माताओं ने पूरी शूटिंग पूरी कर ली है, और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी हैं।

वरुण धवन का काम

काम के मोर्चे पर, वरुण के पास कई काम हैं। वरुण हाल ही में बेबी जॉन में देखा गया था, बॉर्डर 2 में सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ सह-कलाकार हैं। वह अपने पिता डेविड धवन की अभी तक बिना शीर्षक वाली मनोरंजक फिल्म की शूटिंग के लिए भी तैयार हैं।

जाह्नवी कपूर का काम

जान्हवी कपूर के पास भी तीन फिल्में हैं। वह जूनियर एनटीआर-स्टारर की अगली कड़ी में एक गांव की लड़की के रूप में वापसी करेंगी। इसके अलावा, वह परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस बीच, जान्हवी ने राम चरण के साथ अपनी दूसरी तेलुगु फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

जॉन की ख्वाहिश अक्षय कुमार संग फिर से करें कॉमेडी फिल्म

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक बार फिर से कॉमेडी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इन दोनों कलाकारों ने पहले भी 'गरम मसाला', 'देसी बॉयज' और 'हाउसफुल 2' जैसी कॉमेडी फिल्मों में साथ अभिनय किया है। सभी फिल्मों को दर्शकों ने भी सराहा है।

जॉन को मजेदार कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश

जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं कुछ मजेदार काम करना चाहता हूं। मैं दर्शकों को हंसाना चाहता हूं, उनका भरपूर मनोरंजन करना चाहता हूं। जैसे फिल्म गरम मसाला थी, यह कॉमेडी फिल्म मेरे लिए बड़ी खास रही। यही कारण है कि मैं एक खास स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिसमें मजेदार काम करने को मिले। साथ ही अक्षय कुमार से भी मेरी बातचीत चल रही है। हम लंबे वक्त से फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हम एक-दूसरे से काफी इंस्पायर हैं। मैं जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिर से फिल्म करने का बहाना तलाश कर रहा हूं।' जॉन अब्राहम आगे कहते हैं, ' फिल्म 'द डिप्लोमैट' के निर्देशक शिवम नायर को मैंने कॉमेडी फिल्म लिखने को कहा है। वह काफी मजाकिया आदमी हैं। मैंने शिवम को कहा है कि ऐसी फिल्म बनाते हैं, जिसे देखकर दर्शक हंसते पड़े, लोट-पोट हो जाएं। जॉन अब्राहम की हालिया रिलीज 'डिप्लोमैट' को दर्शकों ने पसंद किया है। इस फिल्म में उन्होंने राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक भारतीय महिला को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की है।

फिल्म के लिए सीखी पहलवानी के सारे दांव-पेंच सीरीज में काम आए

एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने आमिर खान की फिल्म 'दंगल' के लिए पहले ऑडिशन दिया था, लेकिन इस फिल्म के लिए वो रिजेक्ट हो गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया कि 'दंगल' के लिए उन्होंने जो तैयारियां की थीं वह वेब सीरीज आश्रम के समय काम आया। 'दंगल' महावीर सिंह फोगाट और उनकी बेटियों, गीता फोगाट और बबिता फोगाट की कहानी पर आधारित थी। इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने से पहले अदिति पोहनकर पहलवानी सिख रही थी। हरियाणवी बोली के साथ-साथ पहलवानी के सारे दांव-पेंच आजमा रही थीं, लेकिन इस फिल्म में काम करने से चूक गईं। अदिति पोहनकर ने बताया- भले ही मैं 'दंगल' के लिए रिजेक्ट हो गई, लेकिन उस समय मैंने जो कुछ भी सीखा था। वह आश्रम में काम आया। इस सीरीज में पम्मी पहलवान के किरदार के लिए फिर मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जब भी कोई कुछ सीखता है, तो वह कहीं ना कहीं भविष्य में काम आता है। अदिति पोहनकर ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में रिलीज फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से की थी, लेकिन सही मायने में उनकी उन्हें पहचान वेब सीरीज आश्रम से मिली। इस सीरीज का तीसरा पार्ट भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो चुका है। जिसमें अदिति के परफॉर्मेंस को काफी सराहा जा रहा है।

शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजहः यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं।

उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचाव: फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था।

इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे?: जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 की नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस पर इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पास लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर भी फिल्म नहीं चली।

तो जब तक बहुत जरूरी न हो मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता। लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बनाना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ किया कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विचार कर सकते हैं।

द पैराडाइज में खलनायक बनेगा यह दिग्गज अभिनेता

नानी अपने करियर के शिखर पर हैं। उन्होंने लगातार हिट फिल्में दी हैं। वर्तमान में वह एक नहीं, बल्कि दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों हिट 3 और द पैराडाइज के लिए तैयार हैं। हाल ही में नानी की एक्शन ड्रामा द पैराडाइज की पहली झलक जारी हुई थी, जिसने काफी चर्चा बटोरी है। इस एक्शन से भरपूर ड्रामा का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है, जिन्होंने पिछली बार नानी के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा में काम किया था। अब यह जोड़ी एक बार फिर हिट फिल्म देने की कोशिश कर रही है।

मोहन बाबू होंगे खलनायक

कुछ दिनों पहले द पैराडाइज का टीजर रिलीज किया गया था। वहीं, अब इस फिल्म के एक और कलाकार की एंट्री की खबर सामने आ रही है, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

मोहन बाबू वर्सेज नानी की कहानी

प्रोडक्शन टीम से जुड़े सूत्र का कहना है कि मोहन बाबू मुख्य प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे। यह खबर विशेष रूप से खास है, क्योंकि मोहन बाबू ने तेलुगु फिल्मों में अपनी उपस्थिति काफी कम कर दी है, ज्यादातर अपने बेटों द्वारा निर्मित परियोजनाओं में अभिनय कर रहे हैं। द पैराडाइज में खलनायक की भूमिका निभाने का उनका निर्णय फिल्म के लिए सफल साबित होगा। फिल्म में मोहन बाबू और नानी के बीच दमदार सीक्वेंस देखने को मिलेंगे।

दो भागों में रिलीज होगी फिल्म

सिकंदराबाद के बैकग्राउंड पर आधारित द पैराडाइज एक बीते युग की अनोखी दुनिया की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म एक हाशिए पर पड़ी जनजाति की कहानी है, जिसके अधिकार छीन लिए गए हैं और जो एक नेता में आशा ढूंढती है। नानी और श्रीकांत ओडेला ने फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई है और इस परियोजना का प्रीमियर दो भागों में हो सकता है।

द राजा साब बड़े पर्दे पर कब देगी दस्तक? प्रभास की फिल्म पर आया नया अपडेट

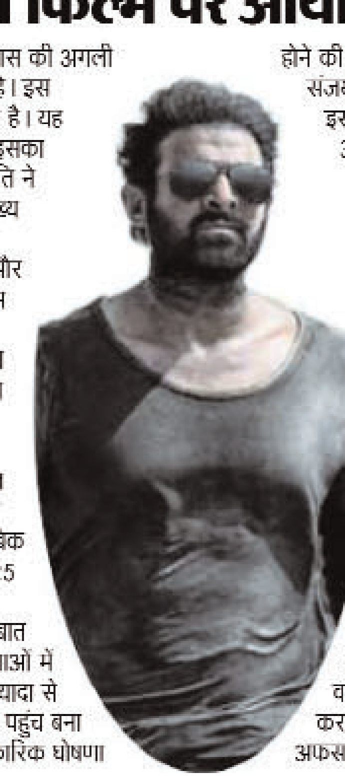

सलार के बाद दर्शकों को प्रभास की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का नाम द राजा साहब है। यह एक हॉरर-कॉमेडी ड्रामा है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक मरुति ने किया है। फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार जैसे सितारे अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। शुरुआत में द राजा साहब को 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज करने की योजना थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्माता इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक द राजा साब को अगस्त 2025 के मध्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही हैं। खास बात यह है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक यह अपनी पहुंच बना सके। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

संजय दत्त भी हैं फिल्म में

इस फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त भी एक महत्वपूर्ण किरदार में दिखेंगे। उनकी मौजूदगी की वजह से यह फिल्म और रोमांचक हो गई है। द राजा साहब का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत किया है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार थमन ने तैयार किया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगे प्रभास

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास जल्द ही कन्नप्पा में नजर आएंगे। फिल्म में वह विशिष्ट भूमिका में हैं। वहीं, उनके पास प्रशांत नील की फिल्म सलार 2 भी है। इसके अलावा वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी काम कर रहे हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर की भूमिका में दिखेंगे।

केंद्र सरकार स्वीकार करे जाट समाज की मांग- कीलक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जाट आन्दोलन की मांगे जल्द से जल्द स्वीकार कर भरतपुर, डीग और धौलपुर के जाटों के साथ न्याय किया जावे। कीलक ने कहा है कि इस क्षेत्र के जाटों को केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण बात है और इसको लेकर सरकार को संवेदनशील होना चाहिए। कीलक ने कहा कि जल्द ही इस मामले में महाराज विश्वेंद्रसिंह से भी राष्ट्रीय जाट महासभा का एक प्रतिनिधिमंड मिलेगा और आगे की रूपरेखा कि बारे में विचार किया जायेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जल्द से जल्द जाट समाज की मांग पर सकारात्मक विचार कर इसे मांगे जाने का आग्रह किया है। ताकि जाट आन्दोलन और उग्र न हो।

अधिशाषी अभियंता व सहायक अभियंता एपीओ

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। पीडब्ल्यूडी के दो अधिकारियों को किया एपीओ कर दिया गया है। मामला रिंग रोड़ के सर्वे से जुड़ा है। जिसमें सांठ-गांठ के आरोप दिनेश गुर्जर और भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने लगाए थे और अलग-अलग शिकायतें की थी। मामले को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव से भी भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने शिकायत की थी। जिसके बाद एपीओ की कार्यवाही सामने आई है। प्रकरण में सार्वजनिक निर्माण विभाग के संयुक्त शासन सचिव बाल मुकुन्द असावा ने सुजानगढ़ अधिशाषी अभियंता ऋतिक सांखला, सहायक अभियंता हरिगोपाल को एपीओ के आदेश देकर पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखा है। एपीओ के दौरान दोनों का मुख्यालय जयपुर रहेगा। बता दें कि एनएच 58 से लेकर मेगाहाईवे तक यह रिंग रोड़ प्रस्तावित है, जिसके सर्वे में सांठ-गांठ के आरोप के चलते ये बड़ी कार्यवाही सामने आई है।

नपा की कृषि भूमि की खुली बोली में कानाराम बावरिया ने छुड़ाई काश्त की बोली

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। नगरपालिका कार्यालय में बुधवार को पालिका की कृषि भूमि की खुली बोली का आयोजन किया गया। बोली में महज दो कृषको ने ही बोली लगाई। पालिका के अधिशासी अधिकारी शिवराज कृष्णा ने बताया कि बोली कि प्रकिया निर्धारित समय 11 बजे शुरू हुई, जिसमें बोली के लिए मात्र दो कृषक कानाराम बावरिया व राजकुमार शर्मा ने बोली के लिए निर्धारित राशि जमा कराई, परंतु निर्धारित समय तक अन्य कृषकों द्वारा बोली में भाग नहीं लिए जाने से महज दो कृषकों ने ही बोली लगाई। इस दौरान अंतिम बोली अधिकतम कानाराम बावरिया के नाम छोड़ी गई।

सांगानेर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत वाटिका गांव में लकड़ा मंडी के पास सड़क पर पानी भरकर बना तालाब

जयपुर टाइम्स

सांगानेर पंचायत समिति सांगानेर की ग्राम पंचायत वाटिका गांव में लकड़ा मंडी के पास सड़क पर तालाब जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। वाटिका गांव के स्थानीय पंचर निकालने वाले दुकानदार और वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने बताया की पहली ही मानसून बारिश में ही इतना पानी जमा हो गया है तो पुरा मानसून की बरसात बाकी है मोजूद लोगों ने बताया पानी की निकासी नहीं होने के कारण सड़क पर हमेशा पानी भरा रहता है जिससे सड़क पर गड्ढे हो जाते हैं। नालियां बना दिया जाए तो सड़क पर पानी भी नहीं भरेगा और गड्ढे से राहगीर चोटिल भी नहीं होगें। इस रास्ते से रोजाना एक हजार वाहन रोजाना गुजरते हैं। सभी गांवों के लोग जयपुर एरिया में काम करने जाते हैं। इस रास्ते जाने वाले लोगों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। पैदल चलने वाले लोग भी फिसलकर चोटिल हो जाते हैं। रात को ओर भी खतरा रहता है गहरे गड्ढे में गिरने का। वहां के लोगों ने बताया कि इस रास्ते से गुजरने वाले गांव तामडिया,टूंटोली ,खेजड़ी कादेड़ा,अकेंशपुरा,भोज्याडा, विनोदी लालपुरा,पीपला,बाजडोली,तितरिया,कुम्हारियावास, फतेहपुरा गांव ,नीमड़ी की ढाणी,20-30 ढाणियों के लोग आदि इसी ही मार्ग से रोजाना प्रवेश करते हैं।

ट्रेन में यात्रियों की नींद का फायदा उठाकर चोरी करने वाला आरोपी पुनः गिरफ्तार, माल मशरूका बरामद

फुलेरा, जीआरपी टीम की सक्रियता से बड़ी सफलता

फुलेरा रेलवे पुलिस (जीआरपी) फुलेरा ने एक और चोरी के मामले में गहन अनुसंधान कर आरोपी अरविन्द कुमावत को पुनः गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा ट्रेन में यात्रियों की नींद का फायदा उठाकर बैग चोरी करने की घटना को अंजाम दिया गया था।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रेलवे, जयपुर भूपेन्द्र साहू, महानिरीक्षक राघवेन्द्र सुहासा, पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर नरेन्द्र सिंह चौधरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेश कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थानाधिकारी गुलजारीलाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। प्रकरण संख्या 39/2025 धारा 305(सी) बीएनएस के तहत आरोपी अरविन्द कुमावत निवासी काजीपुरा, सांभर लेक को पूछताछ हेतु न्यायालय से रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में उसने 14 जून को रूणिचा एक्सप्रेस के एसी कोच से बैग चोरी कर उसमें से सैमसंग मोबाइल, 2500 रुपये नकद, सोने का मंगलसूत्र व चांदी की पायजेब चोरी करना स्वीकार किया। अनुसंधान के दौरान उसके कब्जे से चोरी गया मोबाइल फोन, सोने का मंगलसूत्र और चांदी की पायजेब बरामद कर जब्त की गई। मामले में पीड़िता संगीता निवासी डाबडवास की ढाणी, नीमराणा की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई। टीम में भजनाराम (सउनि), कांस्टेबल कृष्ण व रामजीलाल शामिल रहे। जीआरपी फुलेरा रेलवे यात्रियों की सुरक्षा व अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कटिबद्ध है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की मैराथन जनसुनवाई: जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर दिखी गंभीरता

जयपुर टाइम्स

बीकानेर राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को बीकानेर जिले के सहनीवाला में लगभग सात घंटे तक चली मैराथन जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को न केवल गंभीरता से सुना, बल्कि उनके समाधान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए। यह जनसुनवाई राज्य सरकार की जन केंद्रित नीतियों और डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण रही, जिसमें ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं को ग्राम पंचायत स्तर पर ही सुलझाने की बात कही गई। जनसुनवाई में पानी, बिजली, अतिक्रमण, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, सड़क निर्माण आदि से जुड़ी सैकड़ों समस्याएं ग्रामीणों द्वारा रखी गईं। श्री गोदारा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के लिए जिला मुख्यालय न आना पड़े, इसलिए जनसुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनसमस्याओं के समाधान की यह पहल नियमित रूप से जारी रहेगी। मंत्री गोदारा ने कहा, "लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है और इसके प्रत्येक नागरिक की समस्या मेरी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जब तक सभी पात्र व्यक्तियों तक सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचेगा, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंत्योदय की भावना के अनुरूप अंतिम छोर तक सेवा और योजनाएं पहुंचाना है। इस अवसर पर उन्होंने सुरनाणा निवासी शिवलाल भुवाल के परिजनों को दस लाख रुपये का मुआवजा चेक सौंपा, जो विद्युत विभाग की ओर से एक्सीडेंटल केस में दिया गया है। इस मानवीय पहल ने भी मंत्री की संवेदनशीलता को उजागर किया।श्री गोदारा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत राज्यभर में ग्राम स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व, पेंशन, खाद्य सुरक्षा, कृषि, पशुपालन जैसे विभागों से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन शिविरों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

निरीक्षण में दिखी प्रशासनिक चुस्ती

इसी क्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने पूगल तहसील की ग्राम पंचायत डेली तलाई और सम्मेवाला में लगे शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने पीएचसी भवन निर्माण कार्य में गति लाने, विद्युत तारों को कसवाने, पेंशन सत्यापन, सीमाज्ञान प्रकरणों के निस्तारण, अपात्र लाभार्थियों की सूची से नाम हटाने जैसे निर्देश अधिकारियों को दिए। ग्राम पंचायतों में विभागीय प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलने पर एडीएम कुमावत ने नाराजगी जताई और आगामी शिविरों में सुधार लाने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों की सार्थकता तभी है जब आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो। इस मौके पर उपखंड अधिकारी राजेन्द्र कुमार, तहसीलदार अशोक पारीक, बीडीओ गोपा राम सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डबल इंजन सरकार जनहित में तत्पर

मंत्री गोदारा ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार जनसेवा के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जनप्रतिनिधि अधिकतम समय क्षेत्र में बिताएं, ताकि आमजन सीधे अपनी बात कह सकें। गोदारा ने यह भी कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण की विभागवार समीक्षा की जाएगी और उनका निस्तारण निश्चित समय सीमा में सुनिश्चित किया जाएगा। यह जनसुनवाई न केवल सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि अब प्रशासन आमजन के द्वार पर है, और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता बन चुकी है।

350 स्कूली बच्चो किया खेजड़ी के पौधे वितरित

जयपुर टाइम्स

नांवासिटी। मीठड़ी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कांसेड़ा में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत छात्रों को 350 खेजड़ी के पौधे वितरित किए गए। प्रधानाचार्य ललित कुमार शर्मा ने बताया कि इस सत्र में पूरे कांसेड़ा गांव में विद्यार्थियों के माध्यम से खेजड़ी के पौधे लगाए जाएंगे। खेजड़ी को राज्य वृक्ष का दर्जा प्राप्त है। इसके महत्व को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। प्रार्थना सभा में वरिष्ठ अध्यापक योगेश कुमार सेन ने खेजड़ी के आध्यात्मिक, औषधीय और कृषि उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्य ललित कुमार शर्मा ने पेड़ और जीव के एकत्व पर जोर दिया। छात्रों को प्राणायाम के माध्यम से पेड़ से जुड़ाव महसूस कराने का अभ्यास कराया गया। ध्यान योग में छात्रों ने पेड़ से निकलती ऑक्सीजन को श्वास के जरिए शरीर में प्रवेश करते और शरीर से निकली कार्बन डाइऑक्साइड को पेड़ द्वारा ग्रहण किए जाने की कल्पना की। इस अभ्यास से छात्रों को पेड़ को अपने शरीर का अंग मानने का अनुभव कराया गया। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे अपने लगाए पौधे को रोज ध्यान योग के माध्यम से याद रखें। उसकी देखभाल उसी तरह करें जैसे अपने शरीर की करते हैं। विद्यालय स्टाफ ने भी एक खेजड़ी का पौधा लगाकर उसे बड़ा करने का संकल्प लिया।

गाय एक्सीडेंट के बाद भी नहीं थमा गौ सेवा का जज़्बा, हिन्दू जागरण मंच ने किया रेस्क्यू

जयपुर टाइम्स

भोपालगढ़, आसोप क्षेत्र में हाल ही में हुए एक गाय के एक्सीडेंट की घटना ने पूरे भोपालगढ़ क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। इस हादसे के बाद क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई थी कि अब गौ सेवा में जुटे युवा शायद पीछे हट जाएंगे। लेकिन यह अटकलें महज क़यास साबित हुईं। घटना के ठीक दूसरे दिन हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने अपने संकल्प को फिर से मजबूत करते हुए तीन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए और दो घायल गायों तथा एक बछड़े को सुरक्षित एम्बुलेंस के ज़रिये नजदीकी गोशाला पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया। इस अभियान में रामरतन गोदारा, प्रेम सोलंकी, आदित्य गौड़, चेतन सोनी, श्रवण सैनी, रामेश्वर जाखड़, मुकेश सैनी, लोकेश जाखड़, ओम देवासी और सूरजाराम रलिया जैसे युवा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने इन युवाओं की तत्परता और समर्पण की सराहना की है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि गोवंश की सेवा उनके लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि धर्म है, जिसे वे किसी भी हाल में निभाते रहेंगे। इस कृत्य ने यह साबित कर दिया है कि हादसे मनोबल नहीं तोड़ते, बल्कि सेवा भावना को और प्रबल करते हैं।

नवनियुक्त पीएमओ डॉक्टर बलबीर ढाका का हिंदू युवा वाहिनी द्वारा स्वागत अभिनंदन

प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल कुलड़िया जिला अध्यक्ष विजेंद्र मुहाल के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी हिंदू युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल कुल्डिया के नेतृत्व मेंपीएमओ डॉक्टर बलबीर सिंह ढाका का राजस्थानी परंपरा के अनुसार माला व साफा पहनाकर प्रभु श्री राम की फोटो भेंट कीइस मौके पर डॉक्टर चेनाराम चौधरी, डॉक्टर जयप्रकाश ढाका ब्लड बैंक प्रभारी, डॉक्टर दुर्गाराम, हिंदू युवा वाहिनी जिला अध्यक्ष विजेंद्र मुहाल, नगर अध्यक्ष रूप सिंह राजपुरोहित, वास्तु के ज्ञाता बजरंग लाल जांगिड़, बलवीर डोडवाडिया,अर्जुन नायक, मुकेश नायक, राजेंद्र सारण, शिवा मुहाल, राजकुमार राड, धारा सिंह,धर्मपाल राकेश मुहाल, दिनेश छाबा सभी लोगों ने पीएमओ डॉ बलबीर सिंह ढाका को शुभकामनाएं दी।

टूटी नालियां व उखड़े रोड दे रहे आमजन को तकलीफ

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां। कस्बे की टूटी हुई व जाली रहित नालियां और उखड़े रोड राहगीरों व वाहन चालकों के लिए लंबे अरसे से मुसीबत का सबब बने हुए हैं। इसकी बानगी बुधवार को देखने को मिली।जब छोटा दरवाजा के पास नगरपालिका का दुपहिया कचरा संग्रह वाहन काफी समय से क्षतिग्रस्त एक नाली में फंस गया।इसके चलते यहां से गुजरने वाले राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानियां उठानी पड़ी।करीब दो घण्टे तक सफाईकर्मी वाहन को निकालने की जद्दोजहद करते रहे।लेकिन कामयाब नहीं हो पाए।आखिर में ट्रैक्टर से खींच कर दुपहिया वाहन को बाहर निकाला गया।कस्बे के मुख्य मार्गों पर कई जगह नालियों पर लोहे की जाली नहीं होने से लोग परेशान हैं।वहीं गड्ढों में तब्दील कस्बे की सीसी सड़कें भी वाहन चालकों के लिए बैरन बनी हुई हैं।इन गड्ढों में भरे बरसाती पानी की वजह से आए दिन लोग गिरते-पड़ते रहते हैं।

विकास के पथ पर आगे बढ़ता उत्तर पश्चिम रेलवे, बरसात में भी सरपट दौड़ रही ट्रेन

आधारभूत ढांचे में हो रही तीव्र प्रगति, नई रेल लाइन, दोहरीकरण, गेज परिवर्तन के क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्य

जयपुर टाइम्स

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण क्षमता के साथ कार्य किए जा रहे हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे जोन की स्थापना से अब तक इस रेलवे पर 361 किलोमीटर नई रेल लाईन, 1083 किलोमीटर दोहरीकरण और 2857 किलोमीटर गेज परिवर्तन का कार्य पूर्ण किया गया है। नावां सिटी-गोवन्दी मारवाड़ के दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने से राजस्थान के दो महानगर जयपुर व जोधपुर के मध्य दोहरीकरण पूर्ण हो गया है। दौसा-गंगापुर सिटी 94.65 किलोमीटर नई लाइन का कार्य भी पूर्ण कर रेल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के कुशल नेतृत्व में वर्तमान में लगभग 22,000 करोड़ रुपए की लागत से 1446 किलोमीटर नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन के कार्य प्रगति पर हैं। जिन पर तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले 2 वर्षों में 400-500 किलोमीटर प्रतिवर्ष के अनुसार कार्य निष्पादित करने की योजना है जिससे कनेक्टिविटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो रहे हैं। रेलवे की कनेक्टिविटी बढ़ने से पूरे राजस्थान में उद्योगों और पर्यटन से जुड़े अवसरों का विस्तार भी होगा। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार विगत दो वर्षों में उत्तर पश्चिम रेलवे में लगभग 156 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण और 102 किलोमीटर नई लाइन का निर्माण किया गया। इसमें कई परियोजनाएं समय से पहले ही पूरी की गई, जिनमें मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) वेद प्रकाश जैसे अधिकारियों ने रेलवे बोर्ड से स्वीकृति प्राप्त करने में प्रमुख भूमिका निभाई। वर्तमान में चूरू-सादुलपुर (58 किलोमीटर), अजमेर-चन्देरिया (178 किलोमीटर), लूनी-समदड़ी-भीलड़ी (272 किलोमीटर) और जयपुर-सवाईमाधोपुर (131 किलोमीटर) खण्ड के दोहरीकरण के कार्य भी प्रगति पर हैं। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और विलक्षण स्थापत्य के साथ धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चूरू -सादुलपुर के मध्य दोहरीकरण होने के बाद यह रेल मार्ग राजस्थान, हरियाणा व अन्य उत्तर भारतीय राज्यों के साथ तीव्र रेल संचालन वाला महत्वपूर्ण रेल मार्ग बन जाएगा दोहरीकरण के कार्य से इस क्षेत्र में व्यापारिक व सामाजिक संबंध प्रकट होंगे। इसके साथ रास-मेड़तासिटी (56 किलोमीटर), पुष्कर-मेड़ता रोड़ (51 किलोमीटर) और रीगंस-खाटूश्यामजी (17 किलोमीटर) आबू रोड़-तारंगा हिल(117 किलोमीटर) नई रेल लाईन, मारवाड़ बायपास लाइन व सवाई माधोपुर बायपास लाइन , देवगढ़ -नाथद्वारा, नाथद्वारा-नाथद्वारा टाऊन गेज परिवर्तन, चूरू -रतनगढ़, मानहेरू- बवानी खेड़ा भिवानी -डोब बहाली दोहरीकरण के कार्य भी स्वीकृत हैं। बरसात के दौरान सुगम रेल संचालन की बात करें तो रेल पटरियों के आसपास जल भराव के कारण ट्रैक सर्किट, पॉइंट्स मशीन, केबल आदि क्षतिग्रस्त होने की संभावना होती है। साथ ही रिले रूम, केबिन इत्यादि में बरसात के पानी के रिसाव से सिग्नल फैलियर होने से रेल यातायात प्रभावित होता है। ऐसे में उत्तर पश्चिम रेलवे पर मानसून के समय सिगनलिंग प्रणाली की सुरक्षा के लिए बरती जाने वाली सावधानियों का मानकीकरण किया गया है। इसके अंतर्गत मानसून के समय ट्रैक सर्किट और अन्य सिगनलिंग उपकरणों के नजदीक जल भराव और उपकरण कक्षों में पानी के रिसाव को रोकने के लिए आसपास की नालियों की सफाई और रिले रूम इत्यादि की युद्ध स्तर पर मरम्मत का कार्य किया गया है। साथ ही 46 स्टेशनों के यार्ड में एमएसडीएसी (मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सेल काउंटर) उपकरण को ट्रैक सर्किटों के समानांतर लगाया गया है। जिसके कारण बारिश का पानी ट्रैक में भरने पर ट्रैक सर्किट फेल्योर के कारण भी ट्रेनें लेट नहीं होंगी। 10 अन्य स्टेशनों पर भी एमएसडीएसी लगाने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। एमएसडीएसी एक सिग्नलिंग उपकरण है, जो किसी स्टेशन या यार्ड में पॉइंट जोन सेक्शन सहित कई लाइनों के लिए ट्रैक खाली होने का एक साथ पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस उपकरण को लगाने से यार्ड में पानी भरने के कारण ट्रैक सर्किट फेल होने के बावजूद ट्रेनों का संचालन संभव हो पाता है।

04 जुलाई से दिल्ली में होगी तीन दिवसीय प्रांत प्रचारक बैठक

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की योजना पर विस्तृत चर्चा होगी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन केशव कुंज (दिल्ली) में 04 से 06 जुलाई तक होने वाला है। बैठक में मुख्यतः संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। यह बैठक कोई निर्णय लेने वाली बैठक नहीं है। प्रांतों में संगठन के कार्य की प्रगति व अनुभवों पर चर्चा होती है। कार्य विभागों के कार्य को लेकर भी चर्चा होती है। बैठक में पूजनीय सरसंघचालक, माननीय सरकार्यवाह की उपस्थिति रहती है। उनका मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त होता है। बैठक में सभी सह सरकार्यवाह, कार्य विभाग प्रमुख और संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर जी ने आज केशव कुंज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बैठक में आने वाले विषयों के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उनके साथ सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर, प्रदीप जोशी भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि मार्च के पश्चात देशभर में अब तक 100 प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन हुआ है। जिसमें 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के स्वयंसेवकों के 75 तथा 40 से 60 वर्ष की आयु वर्ग के स्वयंसेवकों के 25 वर्ग आयोजित हुए हैं। प्रशिक्षण वर्गों के दौरान सेवा विभाग सहित विभिन्न कार्य विभागों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। स्वयंसेवक स्थायी प्रकल्पों में भी लगते हैं, और आपदा के समय भी स्वयंसेवक सेवा कार्य में जुटते हैं। पुरी जगन्नाथ रथ यात्रा, अहमदाबाद विमान हादसे के दौरान भी स्वयंसेवक सेवा कार्य में लगे। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष इस बैठक का मुख्य विषय है। सभी प्रांतों ने तैयारी की है, अपनी-अपनी योजना बनाई है। उस पर बैठक में चर्चा होगी, बैठक के पश्चात इस संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। शताब्दी वर्ष का शुभारंभ नागपुर में 02 अक्तूबर को विजयादशमी उत्सव के साथ होगा। जिसमें पूजनीय सरसंघचालक जी उपस्थित रहेंगे। इसके पश्चात अगले एक वर्ष तक शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम चलेंगे। उसी दिन देशभर में शाखा/मंडल/बस्ती के स्तर पर उत्सव आयोजित होंगे। एक अन्य विशेष अभियान के तहत स्वयंसेवक घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। गृह संपर्क अभियान के दौरान स्वयंसेवक संघ साहित्य देकर वार्ता करेंगे। देशभर में नगर/खंड स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न वर्गों के प्रमुख लोग एकत्रित आकर समाज से कुरीतियों को दूर करने, सद्भाव व समरसता को बढ़ाने के लिए चर्चा करेंगे। साथ ही जिला केंद्रों पर प्रमुख नागरिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। गोष्ठियों में हिन्दुत्व, राष्ट्रहित, भविष्य के भारत के संकल्प को लेकर चर्चा होगी। शताब्दी के निमित्त युवाओं की सहभागिता की दृष्टि से विशेष कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के दृष्टिगत पूजनीय सरसंघचालक जी के प्रवास योजना पर भी चर्चा होगी। शताब्दी वर्ष के निमित्त सरसंघचालक जी के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम देश के चार प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकता, बैंगलुरु में आयोजित होंगे। जिसमें समाज के प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में संघ को जानने व संघ से जुड़ने के लिए विशेष उत्साह देखा जा रहा है। युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में संघ से जुड़ने का इच्छुक है। इस वर्ष आयोजित प्रशिक्षण वर्गों में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया है। साथ ही, अप्रैल से जून के बीच ज्वाइन आरएसएस के माध्यम से 28,571 लोगों ने संघ से जुड़ने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ ने समाज के समक्ष पंच परिवर्तन का विचार रखा है, इसके अंतर्गत संपूर्ण समाज की सहभागिता से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना लक्ष्य है। सामाजिक समरसता के तहत समाज में सद्भाव बढ़े, परिवारों की पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली बने, स्व-बोध का गौरव, कुटुंब में आत्मीयता व संस्कारों का वर्धन, नागरिक कर्तव्यों के पालन के प्रति जागरूकता बढ़े। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक समाज की सहभागिता से आगे बढ़ेंगे।

न्यूरोकेयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर प्रा. लि.

(Neurocare Hospital & Research Center Pvt. Ltd.)
1/611, विद्याधर नगर, जयपुर - 302039, राजस्थान
फ़ोन नं.- 0141-2236712

सार्वजनिक सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि इस अस्पताल में वर्ष 2013 से वर्ष 2019 तक के दौरान इलाजरत मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड को नष्ट किया जा रहा है। यदि किसी मरीज या संबंधित पक्ष को इन रिकॉर्ड्स की आवश्यकता हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर अस्पताल प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं।
(नोट- निर्धारित समय के बाद रिकॉर्ड स्थायी रूप से नष्ट कर दिए जाएंगे।)

आज्ञा से
डॉ. नेमीचंद पूनिया (निदेशक)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक- 1269-1283 दिनाक- 24-06-2025

ई - निविदा सूचना संख्या- 13 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू. ए 100 की शर्त लागू होगी । निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.inThttp://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. - PWD2526A1589

S.No.	UBN NO.	S.No.	UBN NO.
1	PWD2526WSOB05592	2	PWD2526WSOB05594
3	PWD2526WSOB05595	4	PWD2526WSOB05597
5	PWD2526WSOB05599		

DIPR/C/8955/2025

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" अभियान के अंतर्गत स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नागर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा "सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ियों में विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता के महत्व तथा नियमित रूप से हाथ धोने (हैंडवॉश) की सही विधि के बारे में जानकारी दी जा रही है। इस अवसर पर निगम की टीम द्वारा बच्चों को यह समझाया गया कि साफ-सफाई अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, उन्हें हाथ धोने का व्यवहारिक अभ्यास भी करवाया गया ताकि वे इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर सकें। इसके अतिरिक्त, नगर निगम द्वारा मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए सफाई मित्रों के लिए प्रतिदिन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में सफाई मित्रों को बताया जा रहा है कि वे गीले मौसम में किस प्रकार अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और संक्रमण से बचाव के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाएं।

खाटूश्यामजी जा रहें पदयात्रियों का किया स्वागत-प्रसादी जिमाकर किया रवाना

जयपुर टाइम्स

दूदू(निसं)। श्याम मित्र मंडल दूदू के तत्वावधान में दूदू से खाटूश्यामजी के लिए पदयात्रा रवाना होकर नरैना पहुंची, जहां रोटरी क्लब दूदू द्वारा मालियों की धर्मशाला में पदयात्रियों का स्वागत कर पदयात्रियों को पंगत प्रसादी जिमाकर रवाना किया। इस दौरान रोटरी क्लब दूदू के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, सचिव मनोज शर्मा, पूर्व प्रांत पाल सुरेंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष विनोद मेहता, मनोज कुमार जैन, विष्णु दत्त त्रिपाठी, पूर्व सेक्रेटरी मुकेश शर्मा, नरैना माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामरतन मालू, लक्ष्मी नारायण मालू, कैलाश शास्त्री, सत्येंद्र दाधीच, अनिल दाधीच,रामरतन अग्रवाल सहित कस्बे के अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। खाटूश्यामजी जा रहें पदयात्रियों की प्रसादी का आयोजन माहेश्वरी समाज नरैना के सेवाभावी समाजसेवी दिवंगत रामपाल मालू के पुत्रों अशोक-अरुण-सुनील व पोत्र नितेश मालू के द्वारा किया गया। बता दें नरैना के सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी सुनील मालू अपनी बैंक सेवा के दौरान ही रोटरी क्लब दूदू से जुड़कर गत 15 वर्ष से रोटरी क्लब दूदू के माध्यम से समाजसेवा कर रहे हैं।

कोटखावदा में आगामी त्यौंहारों के दौरान सीएलजी व शांति समिति सदस्यो की बैठक

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के कोटखावदा में आगामी त्यौंहारों के दौरान सीएलजी व शांति समिति सदस्यो की बैठक में थानाधिकारी कोटखावदा भरत महर पु.नि. द्वारा 3 जुलाई गुरुवार को पुलिस थाना कोटखावदा पर आगामी त्यौहारों के मध्य नजर शांति समिति, सीएलजी, पुलिस मित्र, सुरक्षा सखी, ग्राम रक्षक सदस्यों की बैठक थाना कोटखावदा पर आयोजित की गई।बैठक मे आगामी त्यौहारों के मध्य नजर सामाजिक समरसता व सामाजिक सौहार्द कायम रखते हुए तीज-त्यौहार-यात्रा शांतिपूर्वक कानून व्यवस्था मनाएं रखते हुए मनाने की अपील की गई व असामाजिक तत्वों द्वारा किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था व सामाजिक सौहार्द भंग होने की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित सूचित करने की अपील की गयी, ताकि समय पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही कर किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था भंग होने की परिस्थितियों से बचाव किया जा सके व सामाजिक समरसता कायम रखी जा सकें। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा बरसात के समय में कस्बा कोटखावदा व आस-पास के गांव ठिकरिया गुजरान, श्यामपुरा, डोबला कलां के आस-पास में तालाब व नाडी जैसे भराव क्षेत्रों में काफी पानी भराव होना बताया जिनके भराव के समय पर लोगो की आवाजाही इन भराव स्थलो के आस पास में अधिक हो जाना बताया गया। इस दौरान उचित दूरी बनाए रखने की अपिल की गई।

चाकसू में ठेले व दुकानों से उत्पन्न अव्यवस्था में सुधारने के लिए बैठक आयोजित

जयपुर टाईम्स

चाकसू चाकसू उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पर बैठक आयोजित हुई। वहीं चाकसू शहर में दुकानों के बाहर अस्थाई अतिक्रमण, बेतरतीब वाहन पार्किंग तथा स्ट्रीट वैण्डर्स के द्वारा अव्यवस्थित लगाये जाने वाले ठेले व दुकानों से उत्पन्न अव्यवस्था में सुधार के लिये बैठक आयोजित की गई। जिसमें व्यापार संघ के प्रतिनिधि, स्ट्रीट वेण्डर्स के प्रतिनिधि, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता, थानाधिकारी मनोहर लाल, अधिशाषी अधिकारी डॉ. बनवारी लाल मीणा उपस्थित हुए। उपखण्ड अधिकारी शिवचरण शर्मा द्वारा उपस्थित प्रतिनिधियों व विभागों के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि आमजन को सुगम एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए सडक किनारें अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया जाना अति आवश्यक है, जिसके लिए थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही प्रशासन को सख्ती से अतिक्रमणकरियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। वहीं अधिशाषी अधिकारी डॉ. बनवारी लाल मीणा ने कार्यवाही से पूर्व आमजन एवं व्यापारियों को अनाउसमेण्ट के माध्यम से पालिका द्वारा जागरूक करने की बात कही एवं इसके उपरान्त भी अतिक्रमण करने वालों पर स्थानीय पुलिस थाने तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही करने का सुझाव दिया। थानाधिकारी मनोहर लाल ने कहा कि रोड साईड बेतरतीब वाहन खडे नहीं हो यह व्यापारियों को सुनिश्चित करना चाहिए और इसकी शुरूआत स्वयं के प्रतिष्ठान से करनी चाहिए। बैठक में व्यापारियों से सडक किनारे अतिक्रमण नहीं करने, स्ट्रीट वेण्डर्स (ठेला/ढकेल थडी आदि) से रोड सीमा को छोडकर दुकान लगाने का आह्वान किया गया। तथा इस हेतु जनजागरूकता व अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अभियान के दौरान दुकानों के आगे लाईनिंग, नो-पार्किंग एवं अस्थाई पार्किंग स्थलों का चिन्हिकरण सहित अतिक्रमण करने वालों तथा गन्दगी फैलाने वालों के विरूद्ध चालान, सामान जब्ती तथा प्रतिष्ठानों को सीज करने की कार्यवाही की जावेगी

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम राधाकृष्ण से बदलकर राधाकृष्ण ढाका रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे राधाकृष्ण ढाका के नाम से ही जाना, पुकारा व पहचाना जावे। राधाकृष्ण ढाका पुत्र मांगीलाल, ग्राम सान्डण, सुजानगढ, (चूरू) राज. 331506

Name Correction Declaration (in English)

I, Mukesh Kumar Badsara, son of Phoolchand Jat, caste – Jat, resident of Village Pachlangi, Tehsil – Udaipurwati, District – Jhunjhunu (Rajasthan), hereby inform the general public that I am currently serving in the Indian Army with Service Number 15485458Y and holding the rank of Dafedar. I am presently posted with 39 Armed Brigade, Hisar, Haryana.In my official service records, the name of my daughter has been incorrectly entered as Bhage Shree, which is entirely incorrect. As per her birth certificate and other official documents, her correct name is Bhageshree.Therefore, I request that in all future references and official records, her name be correctly written and read as Bhageshree in place of Bhage Shree.

Name Correction Notice (in English)

I, Rajbala, wife of Mukesh Kumar Badsara, belonging to the Jat community, resident of Village Pachlangi, Tehsil Udaipurwati, District Jhunjhunu (Rajasthan), hereby inform the general public that my husband, Mukesh Kumar Badsara, is presently serving in the Indian Army with service number 15485458Y and holds the rank of Dafedar in 39 Armed Brigade (Hisar), Haryana.In my husband's service records, my name has been incorrectly mentioned as Rajbala Devi, which is incorrect. My correct name is Rajbala as per my Aadhaar card and other official documents.Therefore, it is requested that in all future references and records, my name should be read and understood as Rajbala in place of Rajbala Devi.

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सादुलपुर (राजस्थान) 331023

eephedsadulpur@gmail.com ee.phed.sdlp.chu@rajasthan.gov.in
क्रमांक- 510-20 दिनांक 26.06.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS

following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification Online tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the criteria can also be seen in NIT exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. Tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Annexure. Online Tendar website submitted Last Date & time for submission Up to 07-07-2025 (18.00 hrs)

NIT No.	UBN No.
11/2025-26	PHE2526WSRC04085

SAVE WATER-SAVE LIFE
DIPR/C/8999/2025

Executive Engineer,
PHED Division Sadulpur
Contact- 82791-01286

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER, (PROJECT) PHED REGION CHURU (RAJ.)

Email: ace.chu.phed@rajasthan.gov.in
S.No.: 507-542 Dated: 20/06/2025

Notice Inviting Bid No 04/2025-26

Bids for Work of Construction & commissioning of RCC OHSR, Rising main pipe line at village bada, Dhani Kumharan, Seowa, Kalwas, Khartwasiya, Buchawas (Chuna Ram Ki Dhani), Alayla, Devgarh, Pandreu Taal & Nethwa (Taranagar- Sujangarh) with One Year Defect liability Period District Churu. are invited from interested bidders upto 18.00 hrs 14.07.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and departmental website https://phed.raj.nic.in. (The approximate value of the procurement is Rs. 2270.38 Lacs. UBN is: PHE2526 WLOB 03962

DIPR/C/8851/2025

(Rammurti)
Additional Chief Engineer
(Project), PHED, Churu

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, विभाग, खण्ड- सुजानगढ़

E-Mail: eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक- अअ/जनस्वा/निविदा/2025-26 / 788-806 दिनांक - 23/06/2025

'ई' निविदा सूचना संख्या 28 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू. एफ. एण्ड ए. आर. पार्ट -ना अपेडिक्स दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं संबंधित कार्यों में अनुभव रखने वाली फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है ।

निविदा फर्म ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से कॉलम संख्या 06 में अंकित तिथि तक सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड / अपलोड किये जा सकते है। वैब साईट पर तकनिकी बिड कॉलम संख्या 08 में अंकित तिथि को इस कार्यालय में प्रातः 11.30 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवंश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर तकनिकी बिड खोली जावेगी ।

निविदा शुल्क / धरोहर राशि ई-ग्रास के माध्यम से जो कि अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड - सुजानगढ़ (डी. डी. ओ. कोड़ 13128) के नाम देय हो एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू0 50.00 लाख तक 500 /- रूपये तथा 50.00 लाख से अधिक 1000 /- रूपये ई-ग्रास के माध्यम से जो कि MD, RISL Payable At Jaipur के नाम से देय हो इस कार्यालय में कॉलम संख्या 07 में अंकित तिथि एवं समय सांय 6.00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (MSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वैब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है !

NIB No.	UBN No.
28/2025-26	PHE 2526 WSOB 04009

DIPR/C/8803/2025

(कैलाश चन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड-सुजानगढ़

प्रारूप-10
नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

कमांकः नपासा/2025-26/771 दिनांकः-02/7/25

लोकसूचना

श्री नवल किशोर सोनी पुत्र श्री भंवर लाल निवासी- बडा बाजार, सांभर लेक निवासी- बडा बाजार, सांभर लेक ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं, अर्थात्-

कं.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	कस्वा सांभर	161/2203	रकबा 0.0632 हैक्टेयर	रकबा 0.0632 हैक्टेयर भूमि को आवासीय रूपान्तरण हेतु ।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रूपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02/7/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

कार्यालय ग्राम पंचायत बिहारीपुर

पंचायत समिति पाटन, जिला- नीमकाथाना (राज.)

क्रमांक- 38 दिनांक 01/07/2025

खुली निविदा सूचना 04/2025-26

ग्राम पंचायत बिहारीपुर में वित्तिय वर्ष 2025-26 मे निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। गाईडलाईन के अनुसार इच्छुक बोलीदाता 7 संवेदक / फर्म जो पंजीकृत हो वह निर्धारित दिनांक तक निविदा ग्राम पंचायत मे जमा करवाये। निविदा की विस्तृत सूचनाये एवं शर्ते वेबसाईट https://spp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN. No. PKP2526WSOB00106
UBN. No. PKP2526WSOB00107
UBN. No. PKP2526WSOB00108

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बिहारीपुर
पं.स. पाटन (सीकर)

Office Of Gram Panchayat Jeelo P.S. Patan(Sikar)

Sr.No.-2025-26/gp/134 Date:-02/07/2025

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of material Procurement in Various Construction works under mgnarega and other Schemes for Fy 2025-26 are invited from intersted bidders till date 08/07/2025. other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate Value of the procurement is RS = 9.90 Lakh

UBN NO. PKP2526GSRC00117

प्रशासक
ग्राम पंचायत जीलो
पं.स. पाटन (सीकर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जीलो
पं.स. पाटन (सीकर)

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT RAMSINGHPURA P.S. PATAN (SIKAR)

DATE : 03-07-2025

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA Scheme For FY 2025-26 are invited from intersted bidders till Date 11.07.2025, 01:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement is RS : 9.90 Lac UBN No. PKP2526WSOB00129

PRASHASHAK
G.P. RAMSINGHPURA

VDO
G.P. RAMSINGHPURA

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

दांतारामगढ़(निस)। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दाँता में सोमवार को नवप्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर भावभीना स्वागत किया गया। विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए यह अभिनंदन समारोह विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। नवागंतुक विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। शिक्षक दशरथ सिंह शेखावत ने बताया कि यह परंपरा विद्यार्थियों में आत्मीयता, अपनापन व संस्कारों की भावना विकसित करती है। नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए यह क्षण अविस्मरणीय रहा।

नामांकन व प्रवेशोत्सव विजय जुलूस निकाला

जयपुर टाइम्स

लोसल(निस)। पीएमश्री डेडराज खेतान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सत्र 2024-25 का उत्कृष्ट परिणाम के उपलक्ष में लोसल शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रैली का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के वर्तमान व पूर्व छात्रों,अभिभावकों और नगरवासियों ने भाग लिया। इस नामांकन व प्रवेशोत्सव जुलूस में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को माला व साफा पहनाकर विजय रथ में बैठाया गया। डीजे की विजय धुन पर छात्रों ने मनमोहक नृत्य किया।इस अवसर पर नगरपालिका लोसल के पूर्व चैयरमेन गोविन्द राम बिजारणियां, वार्ड पार्षद बबिता शर्मा, जिला परिषद सदस्य रणवीर सिंह बिजारणियां, मूलचंद कुमावत, प्रधानाचार्य राकेश मौर्य आदि ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।प्रधानाचार्य राकेश मौर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अधिकाधिक प्रवेश दिलाने का आह्वान किया।

नामांकन बढ़ाने के लिए प्रवेश रैली निकाली

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निस)। कस्बे की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नामांकन वृद्धि के लिए प्रवेश रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय के उत्कृष्ट अंक प्राप्त विद्यार्थियों को माला पहनाकर स्वागत कर डीजे से कस्बे में रैली निकाली गई। इस रैली को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मोहनलाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमन गोडवाल और एसडीएमसी के सदस्यों ने हरी झंडी दिखा करके रवाना किया। रैली विद्यालय से मुख्य चौपड, मुख्य बाजार, अजीतगढ़ तिराया से वापस विद्यालय में पहुंची। इसके पश्चात सीबीईओ की ओर से हरियालो राजस्थान के तहत प्रत्येक उत्कृष्ट अंक प्राप्त बच्चों को पौधे वितरित किए। कार्यक्रम के पश्चात अजीतगढ़ के भामाशाह सांवरमल कांडा ने बच्चों को मिठाई लड्डू वितरित किए। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक ओमप्रकाश अटल, योगेश कुमार कीर्तनिया, ओमप्रकाश यादव, अनिला पारीक, सुमन, मोनिका सैनी, शशिकला आदि उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य सुमन गोडवाल ने ज्यादा से ज्यादा बच्चों का राजकीय विद्यालय में प्रवेश करवाने की अपील की।

मोहर्रम को लेकर सीएलजी की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निस)। कस्बे के पुलिस स्टेशन पर थानाधिकारी मुकेश सेपट की उपस्थिति में सीएलजी की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें 6 जुलाई को मनाए जाने वाले मोहर्रम पर शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा हुई। मीटिंग में चर्चा हुई कि 5 जुलाई की रात व 6 जुलाई की सुबह अजीतगढ़ कस्बे में मोहर्रम के ताजिया निकाले जाएंगे। जिस कारण हमें सभी को मिलकर शांति बनाए रखनी है जिस पर सदस्यों ने कहा कि अजीतगढ़ में किसी भी समुदाय का त्यौहार हो यहां शांति से मनाया जाता है। मीटिंग में नगर पालिका प्रशासन को कहा की जिधर से ताजिया निकलेगा उसे क्षेत्र में गंदे पानी व कीचड़ का भराव हो तो उसको साफ कराया जाए, बिजली निगम को कहा गया कि अगर कहीं बिजली के तार नीचे हैं तो उनको ऊपर कराया जाए। इस अवसर पर सीएलजी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

रींगस में 101 पौधे लगाकर यूडीएच मंत्री ने किया अभियान का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

रींगस(निस)। नगरीय विकास व स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा रींगस में नगर पालिका के तत्वावधान में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होकर मुख्यमंत्री पौधरोपण महाभियान का शुभारंभ किया। नदी क्षेत्र में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में 101 पौधें लगाए गए। इससे पहले अधिशासी अधिकारी सरिता चौधरी और पालिका अध्यक्ष हरिशंकर निठारवाल के नेतृत्व में यूडीएच मंत्री का माला पहनाकर, साफा बंधवाकर और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। यूडीएच मंत्री खर्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश के प्रत्येक नागरिक को एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाकर सार-संभाल करने के लिए प्रेरित किया। खर्रा ने कहा कि आजादी से लेकर अब तक हर वर्ष पौधारोपण किए गए लेकिन वो केवल पौधारोपण कार्यक्रम तक ही सीमित रहे, बाद में उनकी सुध नहीं ली गई। गत वर्ष से मुख्यमंत्री पौधरोपण महाभियान में लगाए गए 70 प्रतिशत से अधिक पौधे जीवित है। अबकी बार भी पौधों की सुरक्षा और सार-संभाल के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए अभियान के भाव को समझते हुए पौधारोपण करना चाहिए क्योंकि बालक जब अबोध अवस्था में होता है तो मां उसका लालन-पालन करती है और दुनिया से रुबरु करवाती है उसी प्रकार पौधे को मां का नाम देकर वृक्ष के रूप में फलीभूत होने तक सार-संभाल करनी चाहिए। रींगस वन पौधशाला में पौधा वितरण में चल रही अनियमितताओं को लेकर की गई शिकायत पर वन मंत्री को मामले से अवगत करवाने का आश्वासन दिया। वहीं वार्ड संख्या 18 के पार्षद राजू धायल ने यूडीएच मंत्री से नगर पालिका बोर्ड की ओर से विकास कार्यों में भेदभाव की शिकायत की। मंत्री खर्रा ने थानाधिकारी सुरेश कुमार को भी क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएलबी के डिप्टी डायरेक्टर विनोद पुरोहित, अधिशासी अधिकारी सरिता चौधरी, पालिका अध्यक्ष हरिशंकर निठारवाल, वरिष्ठ प्रारुपकार बाबूलाल बाजिया, लेखाधिकारी विष्णु जांगिड़, स्टोर इंचार्ज बाबूलाल साखुनिया, नगर पालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सोहनलाल बाजिया, जेटीए पूजा चाहर, स्वास्थ्य निरीक्षक मुकेश कुमावत, भरता राम सारण, मुकेश निठारवाल, पंकज शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, महेश, मोहम्मद अख्तर आदि मौजूद रहे।

ठाठवाड़ी शिविर में मिला मालिकाना हक, ग्रामीणों में खुशी की लहर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े के तहत बुधवार को खेतड़ी उपखंड की ग्राम पंचायत ठाठवाड़ी में अंत्योदय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर राहत और अधिकार सुनिश्चित किए गए। शिविर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत ठाठवाड़ी के चार परिवारों लीलाराम पुत्र दीनदयाल, बाबूलाल पुत्र गुगनराम, महावीर पुत्र महादाराम और सैमसुदीन पुत्र सलामुदीन को प्रॉपर्टी पार्सल एवं पट्टों का वितरण किया गया। पट्टे मिलने पर परिवारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सरकार का आभार जताया। राजस्व विभाग की ओर से शंकरलाल निवासी डोसी के विरासत नामांतरण प्रकरण का मौके पर ही ऑनलाइन आवेदन कर स्वीकृति दी गई। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आपसी सहमति से खाता विभाजन भी संपन्न किया, जिससे संबंधित परिवार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन करते हुए प्रसन्नता प्रकट की। शिविर में सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 4 लाभार्थियों का सत्यापन कार्य भी संपन्न हुआ। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत 2000 गड्ढे खोदे गए और 450 पौधे लगाए गए। महिला व बाल विकास विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी करवाया गया, जिससे महिलाओं में आत्मीयता और सुरक्षा की भावना उत्पन्न हुई। शिविर में उपखंड अधिकारी मुकेश चौधरी, नायब तहसीलदार प्यारेलाल चावला, सहायक विकास अधिकारी डॉ. ताराचंद शर्मा, सरपंच किशोरीलाल राव सहित ग्रामवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर के समापन पर ग्रामीणों ने राजस्थान सरकार व समस्त उपखंड प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से आमजन को उनके अधिकार समय पर मिलते हैं, जिससे समस्या का समाधान और विकास का विश्वास साकार होता है।

क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

जयपुर टाइम्स

थोई(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थोई के खेल मैदान में एपिक क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में चल रही नौ दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। आयोजन समिति के सदस्य अभिषेक सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 48 टीमों ने भाग लिया 9 दिन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें आसपास की गांव सहित दूर-दूर की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आई। क्रिकेट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में चार टीमें होल्यकाबास, थोई, बृसिंहपुरा और कांवट। जिनमें से होल्याकाबास और कांवट दोनों टीमें फाइनल में पहुंची। जहां संघर्षपूर्ण मुकाबले में कांवट की टीम 25 रन से विजेता रही । आयोजन समिति के राजेंद्र सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में बेस्ट बल्लेबाज लक्की होल्यकाबास बेस्ट बॉलर लीलू कांवट रहें। उसके बाद सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें विजेता उपविजेता व बेस्ट खिलाड़ी को नगद राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विजेता टीम को 5100 रूपए नगद व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 2100 रूपए नगद व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी बलराम यादव शिक्षाविद् विनोद धोलान, श्रवण कुमार, वैभव सैनी, सोनू पाराशर, प्रवीण सैनी, मनीष सैनी, सोहन सैनी और काफी संख्या में खिलाड़ी व ग्रामीण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि समाजसेवी बलराम यादव ने सभी खिलाड़ियों को संदेश दिया कि लगातार प्रयास करते रहें और अच्छा खेल में प्रदर्शन करते रहे ताकि आप अपने जीवन को और सुनहरा बना सके और कमेटी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन ग्राम पंचायत सरपंच रामप्रकाश सैनी ने किया था।

दादिया रामपुरा में दिनदहाड़े दुकान में रखे गल्ले से नकदी चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

ग्रामीणों ने दो चोरों को पकड़कर पुलिस के किया हवाले

जयपुर टाइम्स

रींगस(निस)। पुलिस थाना क्षेत्र के गांव दादिया रामपुरा में परचून की दुकान में रखे गल्ले से नगदी चोरी का मामला सामने आया। दुकानदार शिंभू दयाल पुत्र चिरंजी लाल अग्रवाल ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जिसमें बताया कि 1 जुलाई को दोपहर करीब 1 बजे वह पड़ोस की दुकान में सामान दे रहा था इसी दौरान दो युवक दुकान में घुसकर गल्ले में रखे 38 हजार रुपए चोरी करके ले गए। गल्ले में रखी नगदी गायब मिली तो सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए जिस पर दो युवक चोरी करते हुए नजर आए।

ग्रामीणों ने पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

चोरी की घटना के सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो दो युवक चोरी करते हुए नजर आए जिनकी पहचान करके दादिया रामपुरा निवासी बाबूलाल पुत्र गोपाल मीणा और डिडवाना कुचामन के सबलपुरा निवासी रविंद्र सिंह पुत्र बलबीर सिंह राठौड़ को पकड़ कर खंभे से बांध दिया गया और रींगस पुलिस को सूचना दी गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया। पुलिस थाने पर लाकर दोनों युवकों से पूछताछ की गई तो चोरी की घटना को अंजाम देना कबूल किया। दोनों युवकों को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

सफ़ाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। मानसून के मौसम को मध्य नजर रखते हुए तारानगर नगर पालिका की ओर से शहर को बीमारियों से बचाने के लिए एक बार फिर अलर्ट मोड पर आ गई है। अधिशासी अधिकारी अजय प्रताप सिह ने बताया कि 2 जुलाई से 31 जुलाई तक पूरे शहर में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया गया है। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत आवास एवं शहरी कार्यालय की पहल है जिसका उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना है अभियान इस बारे में मुख्य छह मूल मंत्र पर कार्य करेगी। स्वच्छ हाथ, स्वच्छ घर, स्वच्छ पड़ोस, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ नालियां व स्वच्छ निकास और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल मानसून में स्वच्छता और स्वास्थ्य की ढाल बनाया जाएगा। सिंह ने बताया कि अभियान का फोकस जन जनित और वेक्टर जनित बीमारियों को फैलने से रोकना। इसके लिए घर-घर हर गली हर मोहल्ले को टारगेट किया गया अभियान में स्कूल कॉलेज मोहल्ले समितियां वार्ड पार्षद वार्ड स्तर पर भी जन जागरूकता रैली व गतिविधियां चलाई जाकर अभियान को सफल बनाया जाएगा। नियमित हाथ धोएं और बच्चों को साफ सफाई की आदत सिखाएं। शौचालय की स्वच्छता बनाए रखें, नालियों को जाम न होने दे गंदगी ना फैलाएं, घर के भीतर गंदा पानी एकत्रित ने होने दे मच्छर ने पनपना दें, कूड़ेदान का सही इस्तेमाल करें सुख गिला अलग-अलग डालें। किसी भी सफाई समस्या को लेकर तुरंत स्वच्छता एप से शिकायत करें। सफाई से संबंधित समस्त व्यवस्थाएं पालिका स्तर पर सुनिश्चित कर ली गई है, किसी भी प्रकार की समस्या के लिए स्वच्छता एप के जरिए सूचित करें, सफाई का कूड़ा कचरा पालिका के नियमित गाड़ी वार्डों में घूमती है जिसमें ही डालें आदि अभियान के 6 मूल मंत्र है।

खरीफः किसान गोष्ठी में दी उपयोगी जानकारी

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निस)। कस्बे के किस के सेवा केंद्र पर आत्मा योजना अंतर्गत खरीफ 2025 किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। अजीतगढ़ के सहायक कृषि अधिकारी रामसहाय दुण ने बताया कि इस किसान गोष्ठी में कृषि अधिकारी, सेवानिवृत्त सहायक कृषि अधिकारीयो, अतिथि व्याख्याताओ ने कृषि, उद्यान, पशुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और कृषकों की समस्याओं का समाधान किया। साथ ही आगामी फसल के लिए उच्च तकनीकी व विभागीय योजनाओं और जल बचत व जल प्रबंधन की जानकारी दी। इसके साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड व खरीफ फसलो के कीट व रोग व्याधियों की जानकारी व निराकरण के उपाय बताएं। इस किसान गोष्ठी में सहायक कृषि अधिकारी राम सहाय दुण, चीपलाटा के सहायक कृषि अधिकारी गोपाल राम, राजेंद्र सिंह, सीकर से कृषि अधिकारी सरिता मुवाल ने किसान गोष्ठी में किसानों को संबोधन किया। इस अवसर पर कृषि पर्यवेक्षक चंद्रशेखर वर्मा, हंसा यादव, पप्पू देवी, सोहनलाल, सुमन दुसाद व अनिल कुडी उपस्थित रहे।

सुगम होगी राह, सड़क चौड़ाईकरण के लिए तीन गांवों में हटाया अतिक्रमण

जयपुर टाइम्स

रींगस(निस)। उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव लाखनी, कोटड़ी धायलान और दादिया रामपुरा में सड़क के चौड़ीकरण में बाधक बन रहे अतिक्रमण को भारी पुलिस बल की उपस्थिति में हटाया गया। तहसीलदार विवेक कटारिया ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023-24 में श्रीमाधोपुर से बधाल तक प्रस्तावित सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण में बाधक बन रहे अतिक्रमण को रींगस उपखंड अधिकारी के आदेश से हटाया गया। गौरतलब है कि इस कार्य की कार्यकारी एजेंसी राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम की ओर से अतिक्रमण के बारे में उपखंड अधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत करवाया गया था। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान रींगस थानाधिकारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में रींगस डीएसपी कार्यालय, खाटूश्याम जी, पुलिस लाइन और आरएसी का पुलिस बल तैनात रहा।

हिस्ट्रीशीटर ने शादी का झांसा देकर किया देहशोषण

जयपुर टाइम्स

थोई(निस)। एक युवती के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। आरोप है कि हिस्ट्रीशीटर ने शादी के झांसे में लेकर उसके साथ ज्यादती की। युवती के प्रेग्नेंट हो जाने पर हिस्ट्रीशीटर ने बिना उसकी सहमति के अबॉर्शन भी करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में 30 साल की युवती ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया कि हिस्ट्रीशीटर विक्रम मीणा उसे अपने साथ फार्म हाउस पर ले गया। जहां उसने मारपीट करके, डरा धमकाकर और शादी का झांसा देकर ज्यादती की। ज्यादती होने के चलते युवती प्रेग्नेंट हो गई। ऐसे में हिस्ट्रीशीटर विक्रम मीणा ने युवती की मर्जी के बिना ही उसका अबॉर्शन करवा दिया। विक्रम मीणा सीकर जिले का जिला स्तरीय हार्डकोर अपराधी है। जिस पर पूर्व में 22 मामले दर्ज हैं। वहीं 24 साल की युवती के साथ भी ज्यादती का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवती ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि कानाराम बावरिया, देवीसहाय बावरिया ने जबरदस्ती उसे अपने साथ गाड़ी में बैठा लिया और फिर उसके साथ ज्यादती की। इस मामले में भी पुलिस ने दोनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अजीतगढ़ से रींगस फोरलेन सड़क बनने तक जारी रहेगा संघर्ष

15 अगस्त को विशाल बाइक रैली का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

अजीतगढ़(निस)। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम चौधरी ने कहा कि जब तक अजीतगढ़ से लेकर रीगस तक फोरलेन सड़क नहीं बनेगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा। 15 अगस्त को अजीतगढ़ से लेकर श्रीमाधोपुर एसडीएम कार्यालय तक विशाल बाइक रैली निकालकर फोरलेन सड़क बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। चौधरी ने अजीतगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने गत बार अजीतगढ़ से लेकर रीगस तक फोरलेन सड़क बनाने की मांग को लेकर रीगस से लेकर श्रीमाधोपुर उपखंड अधिकारी कार्यालय तक विशाल बाइक रैली निकालकर मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया था। श्रीमाधोपुर से लेकर रीगस तक फोरलेन सड़क स्वीकृत हो गई लेकिन स्वीकृत हुए काफी समय हो गया, अभी तक भी इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाया। चौधरी ने बताया कि 15 अगस्त को अजीतगढ़ से लेकर श्रीमाधोपुर तक फोरलेन सड़क बनाने की मांग को अजीतगढ़ से लेकर श्रीमाधोपुर उपखंड अधिकारी कार्यालय तक विशाल बाइक रैली निकाल कर मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देंगे। चौधरी ने बताया कि अजीतगढ़ से लेकर खाटूश्यामजी तक बाहरी राज्यों व जिलों के हजारों की संख्या में श्रीश्याम यात्री अपने-अपने वाहनों के जरिए श्री श्याम जी के दर्शन करने जाते हैं, इसके कारण वाहनों का भारी लोड रहता है। सड़क मार्ग छोटा होने के कारण रोजाना सड़क दुर्घटनाएं होती रहती है जिनमें कई परिवारों के चिराग बुझ चुके हैं और कई परिवारों के युवा विकलांग हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी पीड़ा तब होती है जब किसी घर का चिराग किसी सड़क पर दम तोड़ देता है लेकिन फिर भी सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। ऐसे में कब तक हम यूं ही चुप रहते रहेंगे।

सीवरेज व ड्रेनेज परियोजना की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर के वार्ड संख्या 42 में बैठक का आयोजन कर शहर में संचालित सीवरेज व ड्रेनेज परियोजना की विस्तृत जानकारी देते हुए सहयोग करके इस परियोजना को सफल बनाने का आह्वान किया गया। पार्षद पुरूषोत्तम इंदौरिया की अध्यक्षता में आरयूआईडीपी के एक्सईएन आरडी गर्ग के निर्देशन में हुई बैठक में जनसहभागिता इकाई के प्रवीणसिंह राठौड़, छोटू सैनी, काजल सांखला व कविता स्वामी ने कहा कि आम लोगों के सहयोग से ही यह योजना सफल होगी। इन लोगों ने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक थैलियों का प्रयोग करके सीवरेज लाइन में नहीं डालने का आह्वान किया। साथ ही स्नानघर, रसोई के नालों पर जाली लगाने के लिए कहा। बैठक में शहर में संचालित ड्रेनेज परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। बैठक को पार्षद इंदौरिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बिमलादेवी, कैलाश स्वामी, नत्थुराम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चेक बाउंस मामले में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। न्यायालय की ओर से घोषित स्थाई वारंटी राजलदेसर पुलिस थाना के लाछड़सर निवासी 43 वर्षीय सोजीराम पुत्र प्रभुराम जो पिछले 8 सालों से चेक बाउंस मामले में फरार चल रहा था। चूरू स्पेशल पुलिस के हेड कांस्टेबल संजय कुमार बसेरा ने उसे रतनगढ़ के गोगासर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। चूरू स्पेशल पुलिस के हेड कांस्टेबल संजय कुमार बसेरा ने बताया कि चूरू पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन पर लगातार अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है और उसी कड़ी में लगातार फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी सोजीराम भी पिछले 8 सालों से चेक बाउंस मामले में फरार चल रहा था। जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस के इस विशेष अभियान से घबराकर फरार चल रहे आरोपी अब न्यायालय में राजीनामा पेश करवा रहे हैं। अब तक ऐसे कुल दो मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

भानीपुरा थाने में विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान सरकार की ओर से चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान व एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत स्टूडेंट पुलिस कैडेट योजना के अन्तर्गत राजकीय राज्य माध्यमिक विद्यालय स्टूडेंट पुलिस कैडेट ने भानीपुरा पुलिस थाना परिसर में पौधारोपण किया। विद्यालय प्रभारी गोविन्द कृष्ण स्वामी, व्याख्याता रेणु कुमारी, प्रेमराज नायक विद्यालय शिक्षक व छात्र अरुण, राहुल, सोहनलाल, देविलाल, हीरालाल, चन्द्रशेखर, कन्हैयालाल, मंगलसिंह, छात्रा नेहा, सरोज, वसुन्धरा, प्रियंका ने पुलिस थाना भानीपुरा पहुंचकर थाना परिसर में एक गार्डन विकसित कर 125 पौधे लगाये। थानाधिकारी रायसिंह ने मय समस्त स्टाफ की ओर से हरियालो राजस्थान व एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत थाना परिसर में बच्चो के साथ पौधारोपण किया व थानाधिकारी और पुलिस की कार्य प्रणाली के बारे में बच्चों को जानकरी दी और थाना परिसर का भ्रमण करवाया। सभी बच्चों को पौधों की रक्षा करने व प्रकृति की सुरक्षा करना हमारा दायित्व का संकल्प दिलवाया गया। थाना भानीपुरा की ओर से पूर्व में भी करीब 1100 पौधे लगाए गए थे जो वर्तमान में थाना परिसर को हराभरा कर रहे हैं।

दिव्यांग कृत्रिम सहायक उपकरण के लिए चिन्हिकरण शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। नगरपालिका चौक मण्डावा में गुरुवार को सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से दिव्यांग कृत्रिम सहायक उपकरण के लिए चिन्हिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की विधिवत शुरुआत उपखण्ड अधिकारी मण्डावा मुनेश कुमारी, अधिशाषी अधिकारी जेकीराम गोयल ने की। शिविर में सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग से ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुनिता धायल, छात्रावास अधीक्षक सत्यवीर सिंह, प्रभुदयाल, सुमन व संजू उपस्थित रहे। चिकित्सा विभाग से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए डॉ सुधीर चौधरी, डॉ शंकर, डॉ दुष्यन्त बसेरा और डॉ नवीन उपस्थित रहे। महिला व बाल विकास विभाग से सुमन तंवर, सुमन सनोदिया, सीमा देवड़ा, सुमित्रा सैनी व रुकसाना बानों उपस्थित रही। शिविर के दौरान चिकित्सा विभाग की ओर से 2 दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से 3 व्हील चेयर, 11 ट्राई साईकल, 1 श्रवण यंत्र, 2 ब्लाइण्ड स्टीक व 2 यूडीआईडी कार्ड के लिए आवेदन पत्र तैयार करवाए गए।

अवैध पशु मेले को बंद करवाने की मांग, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल सहित गोभक्तों के पदाधिकारियों ने पशु कल्याण व पर्यावरण संरक्षण अधिनियमों के उल्लंघन को लेकर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रखंड अध्यक्ष शिवदयाल पारीक, प्रखंड मंत्री रोहीताष सोनी, जिला गौ सेवा प्रमुख नारायण भोजक व प्रखंड संयोजक गौरव भोजक ने एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर कहा कि बिना लाइसेंस के पशु मेले आयोजित करना कानूनन अपराध है। उन्होंने पशु परिवहन नियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, लाईव स्टॉक नियम 2017 व राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 का हवाला देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद कई जगह अवैध मेले व गो-तस्करी हो रही है। प्रखंड अध्यक्ष शिवदयाल पारीक ने बताया कि मेगा हाईवे पर चायल फार्म हाउस में अवैध रूप से महिने में चार बार हर बुधवार को पशु मेला संचालित होता है वो अवैध है। उन्होने आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पर गो-तस्करी की जाती है। यहां पर रात को उतरप्रदेश की गाड़िया आती है। रात्री 11 बजे के बाद गाड़ियों में गायों को डाला जाता है जो एक तरह गो-तस्करी है। यहां के प्रशासन को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाही नहीं हो पाई है। अगर यहां पर दुबारा अवैध रूप से पशु मेला संचालित किया गया तो विश्व हिंद परिषद और बजरंगदल की ओर से बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान गो-रक्षा दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबूलाल जांगिड़, कृष्णगिरी महाराज, सोनू जांगिड़, एडवोकेट नितेश भोजक, रोहिताश सोनी, राहुल सोनी, गौरव भोजक, नारायण भोजक, पवन कुमार सैनी, श्रीराम जांगिड़ सहित अनेक गोभक्त उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध, एसड़ीएम को सौपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा नगर पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी की अगुवाई में सैकड़ों विद्युत उपभोक्ताओं ने गुरूवार को स्मार्ट मीटर नहीं लगवाने की मांग को लेकर सीएम के नाम का ज्ञापन एसड़ीएम मुनेश कुमारी को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में मांग की है कि विद्युत वितरण निगम की ओर से विद्युत उपभोक्ताओं के वर्तमान में लगे विद्युत मीटर बदल कर उनके स्थान पर नये स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। जिसके बारे में अब तक जहां पर स्मार्ट मीटर लगे है, वहां की रिपोर्ट है उक्त स्मार्ट मीटर पुराने मीटर के मुकाबले ज्यादा यूनिट निकालता है। जिससे उपभोक्ता पर आर्थिक भार बढ़ेगा व प्रीपेड मोड पर रखे तो ज्यादातर आबादी की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वो पहले रिचार्ज करवा सके। अगर जैसे-तैसे रिचार्ज करवा भी ले तो कभी भी कई चार आधी रात को भी रिचार्ज खत्म होने पर सप्लाई बन्द होने का खतरा रहता है। गरीब जनता को प्रतिमाह मिलने वाली 100 यूनिट का समायोजन भी किस प्रकार किया जाएगा, वह भी स्पष्ट नहीं है। इस वजह से ये मीटर गरीब परिवार को बार-बार गरीब होने का अहसास करवाता रहेगा। गरीब व कम शिक्षित परिवार इसका स्मार्ट फोन से ट्रेकिंग भी नहीं कर पाएगा। पोस्टपेड मोड रखने से अतिरिक्त चार्ज उपभोक्ता को वहन करना पड़ेगा। मीटर खराब होने पर उपभोक्ता को भारी राशि चुका कर मीटर बदलवाना पड़ेगा। वर्तमान में लगे हुए सभी मीटर चालू हालत में है जिनको कबाड़ में डाला जाएगा जो सरकारी धन का सीधा सीधा नुकसान है तथा नये मीटर पर सरकार अनावश्यक धन खर्च होगा जो गलत है। ज्ञापन में आग्रह किया गया है कि उक्त योजना को आप तुरन्त रूकवा कर आम जनता को राहत प्रदान' करें ताकि गरीब जनता पर आर्थिक भार नहीं पड़े। ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस के इतिहासकार सज्जन मिश्रा, पालिका उपाध्यक्ष नबाव खत्री, पार्षद हरिराम चेजारा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय रामगढ़िया, छोटेलाल सैनी सहित अनेक विद्युत उपभोक्ता शामिल रहे।

बिना भू रूपांतरण काट रहे अवैध कॉलोनी, सरकार को राजस्व की लगा रहे चपत

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। राजस्थान सरकार व जिला कलेक्टर चूरू के अवैध कालोनियों पर सख्त कार्यवाही के आदेशों के बाद भी धरातल पर भूमाफियाओं की ओर से अवैध कालोनिया काटी जा रही है, इससे राजस्व को भारी नुक्सान हो रहा है। कस्बे के बाहरी क्षेत्र में काफी अवैध कालोनियां विकसित हुई जिसमें से कुछ का वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों की सांठगांठ होने के कारण भूमाफियाओ के हौंसले बुलन्द है और नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। कृषि भूमि का भी व्यवसायिक उपयोग बिना भू रूपान्तरण के ही किया जा रहा है। कृषि भूमि पर होटल, ढाबे, शराब ठेके, फैक्ट्री चल रही है। जिन पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से भूमाफिया के हौंसले दिनों दिन बढ़ रहे हैं। गत वर्ष नगरपालिका की ओर से इन्हें नोटिस भी दिया लेकिन इन फाइलों को ठण्डे में बस्ते में डाल दिया गया। कुछ लोग राजस्व को चूना लगाने का नया तरीका भी निकाला अपनी सम्पूर्ण जमींन में से आंशिक हिस्से का भूरूपान्तरण करवाकर शेष भूमि का व्यवसायिक उपयोग कर राजस्व को चूना लगाया जा रहा है।

पेशन के लिए आवेदन शिविर 15 जुलाई को

चूरू(निस)। मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत प्रदेश के श्रमिक, पथ विक्रेता एवं लोक कलाकार प्रतिमाह 3 हजार रुपए का लाभ प्राप्त कर सकते है। इस योजना में लाभार्थी अपने नजदीकी ई-मित्र से अथवा राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग के जिला कार्यालय में 15 जुलाई को आयोजित विशेष शिविर में उपस्थित होकर पंजीकरण करवा सकेंगें। राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग के सहायक निदेशक भंवरलाल जल ने बताया कि वित्त विभाग ने श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकार को संबल प्रदान करने के लिए 26 नवम्बर, 2024 को योजना लागू की थी। योजना का लाभ लेने के लिए 60 वर्ष की आयु तक अंशदान राशि जमा करवानी होगी। तीन साल के पीरियड अथवा 60 वर्ष की आयु से पहले इस योजना से बाहर निकलने वालों को सेविंग बचत खाता के समान ब्याज सहित जमा राशि लौटाई जा सकेगी

महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय दाणी अहिरान का कक्षा-10 में शानदार परिणाम

जयपुर टाइम्स

थोई(निस)। महात्मा गांधी स्कूल ढाणी अहिरान में विज्ञान संकाय खुलने पर विद्यालय परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों ने भी मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। इसके साथ-साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी अहिरान प्रीतमपुरी में सत्र 2024-25 का दसवी बोर्ड परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रामावतार यादव ने बताया कि अंग्रेजी माध्यम का यह प्रथम बैच था। कक्षा 10 में कुल नामांकित 20 विद्यार्थी थे जो कि सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए, जिसमें चार विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। प्रथम स्थान प्रियंका यादव नें 93.67% द्वितीय प्रशांत गुरावा ने 93.33% , तृतीय स्थान यशवंत वर्मा ने 92.50% व चतुर्थ कविता यादव ने 91.83% अंक प्राप्त किये। विद्यालय में 75% से ऊपर कुल 11 विद्यार्थी हैं। शानदार परीक्षा परिणाम रहने पर ग्रामीणों व अभिभावकों ने समस्त विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों का आभार प्रकट करते हुए खुशी जाहिर की। सत्र 2025-26 में विद्यालय में विज्ञान संकाय राज्य सरकार ने आवंटित किया हैं, जिसमें कक्षा 11 में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की हैं।नर्सरी से ग्यारहवीं कक्षा तक पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश प्रारम्भ है। चूंकि महात्मा गाँधी विद्यालय राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना में शामिल है। विद्यालय में वर्तमान में 20 अध्यापक से अधिक स्टाफ सदस्य कार्यरत हैं। कक्षा 5 व कक्षा-8में सभी विद्यार्थी ए ग्रेड से उत्तीर्ण हैं। नीमकाथाना ब्लाक के सभी निजी, सरकारी विद्यालयों में विद्यालय का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा। विद्यालय के शिक्षक राकेश यादव ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

सात दिवसीय भागवत कथा का समापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के मातृ छाया में पांडिया परिवार की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भावविभोर वातावरण में संपन्न हुआ। संत श्री रामानंद जी महाराज के मुखारविंद से निकली दिव्य वाणी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की। कथा के समापन पर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया। जिसमें रुक्मिणी विवाह, कुब्जा उद्धार, और महाभारत काल के उपदेश शामिल थे। संत श्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, अपितु जीवन जीने की कला है। कथा के समापन पर सुंदर भजन संध्या और आरती का आयोजन हुआ। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन हुआ। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और संतों का आभार प्रकट किया। कथा के समापन के मुख्य आकर्षण भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का वर्णन, संत श्री रामनन्द महाराज जी का आध्यात्मिक प्रवचन, भजन संध्या और भव्य आरती, विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कथा में विभिन्न समाज के जनप्रतिनिधि, दूरदराज गांवों से आए सैकड़ों भक्त जनों ने कथा का श्रवण कर पुन्य कमाया। कथा के यजमान नरेंद्र पांडिया ने महाराज का तिलकार्चन किया। कथा समापन पर संत श्री ने कहा कि भागवत कथा जीवन को पवित्र और उद्देश्यपूर्ण बनाती है। इसे सुनना मात्र ही आत्मा के उद्धार का मार्ग है। कथा में पांडिया परिवार के शांतिप्रकाश, बजरंग लाल, जितेंद्र कुमार, विनोद कुमार, सुरेश कुमार, रामदेव, प्रमोद कुमार, भूपेंद्र कुमार, बंशीधर, सूर्य प्रकाश, कैलाश, कणाद, डॉ संजय, डॉ कपिल, डॉ वैभव, डॉ आदित्य, अनिल, संदीप, कुलदीप, दिनेश, दीपक, विशाल, शुभम, राजेश, मनोज, आशुतोष, हितेश, गर्वित आदि ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

सीबीईओ के नेतृत्व में किया पौधारोपण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत राजकीय विद्यालय व निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की ओर से प्रतिदिन पौधे लगाए जाने के विभागीय निर्देशों की पालना में सुजानगढ़ स्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से पौधारोपण किया जा रहा है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुनीता पुनिया की अध्यक्षता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जिनरासर में शिक्षकों, विद्यार्थियों व एसीबीईओ मंजू पंवार के साथ 150 पौधे लगाए गए। विभाग की ओर से सुजानगढ़ को कुल 135593 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पौधरोपण के दौरान प्रधानाचार्य भंवरसिंह, शिक्षक हीरालाल, महावीर स्वामी, सुबोध भास्कर, सुनीता पारीक, प्रदीप भार्गव, निकिता राजमकल, सवाईसिंह, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

कार्रवाई नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी

गोचर भूमि पर अवैध कब्जा हटाने की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। उपखंड के बादूसर गांव की गोचर भूमि पर अवैध कब्जा हटाने की मांग को लेकर बुधवार को गांव के युवा अनुज ताखर के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने उपखंड अधिकारी लक्ष्मणगढ़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि बादूसर गांव की गोचर भूमि (खसरा संख्या 260/1) पर काफी जगह में अवैध रूप से कब्जा हो चुका है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उक्त गोचर भूमि पर कब्ज़े के कारण पशुओं के चरने का विकराल संकट खड़ा हो गया है।ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई कि 7 दिन के भीतर गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाया जाए, अन्यथा ग्रामीण युवा भूख हड़ताल पर बैठने को विवश होंगे। युवाओं ने प्रशासन को चेताया कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की राह अपनाई जाएगी। गौ सेवक अनुज बादूसर ने बताया कि बादुसर गांव में गौ चर जमीन पर दो तीन लोगो ने कब्जा कर अतिक्रमण कर रखा है और उक्त मामला करीब 2 साल से चल रहा जिसके संबध में तत्कालीन एसडीएम को भी ज्ञापन दिया गया था लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। अनुज बादुसर ने चेतावनी देते हुए कहा कि 7 दिवस के भीतर प्रशासन कारवाई को अंजाम नही देता है तो भूख हड़ताल की जाएगी। स्थानीय नंदी शाला पर बोलते हुए बादुस ने कहा कि यहां तो व्यवसाय रखा है, सेवा कहा हो रही है ?सेवा के नाम पर व्यवसाय किया जा रहा है और जो लोग आवाज उठाते है उनको दबाने की कोशिश की जाती है। ज्ञापन देने वालों में अनुज कुमार बादुसर, संदीप पारीक, विकास कुमार, मनीष थालौड़, कैलाश, विवेक, शीशराम, पवन, मनीष, रामलाल सहित अनेक युवा मौजूद रहे।

चोरी किया गया माल किया बरामद

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ पुलिस ने चोरी के मामले करवाई करते हुए चोरी के एक आरोपी से चोरी किया किया हुआ माल बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों राजू कबाड़ी के गोदाम में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था जिस पर कारवाई करते हुए लक्ष्मणगढ़ पुलिस ने चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। चोरी के आरोपियों से पूछताछ के दौरान एक आरोपी कल्याण सिंह उर्फ राणा पुत्र पवन सिंह, उम्र 32 वर्ष निवासी लक्ष्मणगढ़ से गोदाम में की गई चोरी का माल बरामद किया है।

वाहिदपुरा व हेतमसर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आव्हान पर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्रामीण जन लाभान्वित हो रहे हैं। गुरुवार को मंडावा उपखंड क्षेत्र की दो ग्राम पंचायत वाहिदपुरा व हेतमसर में शिविर आयोजित हुए। शिविर में सैकड़ों ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर में उपखण्ड अधिकारी मुनेश कुमारी ने शिविर स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं ओर किए जाने वाले कार्यों का जायजा लेते हुए पात्र सभी आवश्यकजनो के कार्यों को मौके पर ही निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर, पंचायत समिति की विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी पंकज कुमारी, गुंजन बाला सहित विभिन्न ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने आमजन की समस्या को सुनकर उनका मौके पर निस्तारण किया। इस दौरान अधिकारियों ने शिविर में पात्र ग्रामीणों को भी पट्टे दिए गए। तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर, बीडीओ लक्ष्मीनारायण मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में रास्ता प्रकरण निस्तारण, एनएफएसए आवेदन का निस्तारण,पशुओं के टीकाकरण, ग्रामीणों की मेडिकल जांच टीबी, बीपी,शुगर, जलाशयों की साफ–सफाई, हरयालो राजस्थान अभियान के तहत पौधे, झुलते बिजली के तारों के प्रकरण का निस्तारण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, सीमा ज्ञान के निस्तारण, पेंशनर्स सत्यापन सहित अन्य कार्यों का मौके पर ही निस्तारण की कार्यवाही की गई।

केन्द्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने किए सालासर बालाजी के दर्शन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग केन्द्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल गुरुवार को सालासर आए और बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा- अर्चना कर देश - प्रदेश में खुशहाली की कामना की। इस दौरान तुहीन हजारिका, समर डेका, जयंत किशोर माधव, ऋतुराज बोराह भी उनके साथ रहे। मंदिर में बिहारीलाल पुजारी, पवन पुजारी, सौरभ पुजारी, विकास पुजारी, गौरीशंकर पुजारी, बबलू पुजारी, राजकुमार पुजारी, धर्मचंद पुजारी आदि सहित पुजारी परिवार ने पूजा अर्चना करवाई और बालाजी का चित्र व दुपट्टा भेंटकर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, प्रहलाद राय, पुष्पेंद्र झाझड़िया, पंकज सहित अन्य मौजूद रहे।

नीट 2025 में विद्यालय के 5 छात्र- छात्राओं का चयन

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल बिसाऊ के नीट 2025 में विद्यालय के 5 छात्र व छात्राओं का चयन होने से विद्यालय में खुशी का माहोल रहा है। संस्था की ओर से चयनित छात्र व छात्राओं का माला पहनाकर व प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चयनित छात्र व छात्राओं शिल्पा, मनीषा कुमारी, मनीषा, वसीम, जुनेद, ने विद्यालय के बारे में बताया कि हमें पढाई के दौरान अध्यापकों का अच्छा सहयोग मिला। संस्था की ओर से हमें समय समय पर गाइड किया जाता रहा है और हम नियमित रुप से विद्यालय के सम्पर्क में रहे। विद्यार्थियों ने अपने चयन का श्रेय अपने माता पिता के साथ साथ अपने गुरुजनों को दिया। इस मौके पर संस्था निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने सभी चयनित छात्र व छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी ने किया शिविर का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ग्राम पंचायत भानीसरिया तेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदल सम्बल शिविर का आयोजन किया गया। जिसका निरीक्षण उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने किया। पंचायत समिति सदस्य दीवानसिंह भानीसरिया ने शिविर में होने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, एडीओ रामानंद फलवाड़िया ने पौधारोपण किया। शिविर में में चिकित्सा विभाग की ओर से 226 लोगों की जांच की गई। इसी प्रकार राजस्व विभाग की ओर से 6 सीमांकन किए गए, नामांकन 42 किए गए। इसी प्रकार अन्य काम भी लोगों के शिविर में किए गए। इस अवसर पर भू अभिलेख निरीक्षक सुखदेव, विनोद कुमार सैनी, पटवारी शिवसिंह, रोजगार सहायक मदनलाल आदि मौजूद रहे।

कचनार चौधरी ने अमेरिका में जीता गोल्ड मैडल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। वर्ल्ड पुलिस एण्ड फायर गेम 2025, अमेरिका में भाग ले रही सुजानगढ़ की कचनार चौधरी ने शॉट पुट थ्रो (एथलेटिक्स) में गोल्ड मैडल जीता है। कचनार चौधरी की इस उपलब्धि पर सुजानगढ़ में खुशी की लहर है। कचनार चौधरी के पिता परेश चौधरी ने बताया कि 9 सालों से उनकी बेटी कचनार गैम्स खेल रही है और लगातार

मेहनत के चलते यह सब संभव हो पाया है। माता अनिता चौधरी ने बताया कि वर्तमान में कचनार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में भी कार्यरत हैं। उनके नाम पहले से ही अनेक उपलब्धियां दर्ज हैं। जूनियर का रिकोर्ड काफी समय तक कचनार के नाम रहा। राष्ट्रीय लेवल पर प्रतियोगिताओं में गोल्ड व सिल्वर मेडल काफी बार कचनार ने जीते हैं। इसी प्रकार साउथ एशियन गेम्स 2019 में में भी मैडल जीता। कचनार के गोल्ड मैडल जीतने पर चिकित्सा विभाग में कार्यरत संयुक्त निदेशक डॉक्टर अजय चौधरी, विधायक मनोज मेघवाल, सांसद राहुल कस्वां, सभापति निलोफर गौरी, इदरीश गौरी सहित अनेक लोगों ने बधाईयां दी हैं।

शिविरों में मौके पर ही राजस्व परिवादों का हो रहा निस्तारण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले के बीदासर उपखंड की ग्राम पंचायत ईंयारा, पारेवड़ा व चाड़वास में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा अभियान अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत पारेवड़ा में शिविर प्रभारी तहसीलदार साक्षी पुरी ने बताया कि राजस्व विभाग की ओर से आपसी सहमति से विभाजन के 2, सीमा ज्ञान के 4, रास्तों के 4 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी के साथ ग्रामीण व पंचायती राज विभाग की ओर से 9 चयनित बीपीएल परिवारों का बैंक खाता सत्यापन, स्वामित्व योजना अन्तर्गत 35 प्रॉपटी कार्ड का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत ईंयारा में शिविर प्रभारी विकास अधिकारी राजूराम ने बताया कि राजस्व विभाग की ओर से आपसी सहमति से विभाजन के 2, सीमा ज्ञान के 4 व रास्तों के 4 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। ग्राम पंचायत चाड़वास में शिविर प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी गौरव चौधरी ने बताया कि राजस्व विभाग की ओर से आपसी सहमति से विभाजन के 2, सीमा ज्ञान के 4, रास्तों के 10 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी के साथ राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास व पंचायती राज विभाग, डिस्कॉम, पीएचईडी, कृषि, वन, खाद्य, चिकित्सा व स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग सहित विभिन्न विभागों की सेवाओं का भी आमजन को भरपूर लाभ मिला।

पिता का मर्डर करने वाले बेटे को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव बीकमसरा के खेत में बनी ढाणी में छत पर पिता पुत्र के आपसी विवाद को लेकर बेटे ने अपने पिता के सिर पर मूसल से वारकर हत्या कर दी। पुलिस ने पिता के हत्यारे बेटे को गिरफ्तार कर हत्या के मामले का खुलासा किया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सूचना मिली कि गांव बीकमसरा में किसी व्यक्ति ने सर पर गंभीर चोट मारकर एक व्यक्ति का मर्डर कर दिया है। जिस पर मौके पर पहुंचकर ढाणी में बने कमरे की छत के ऊपर चारपाई पर एक व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। जिसकी लाश को कब्जे में लेकर राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के भाई गोपीराम पुत्र खेताराम नायक की रिपोर्ट पर अनुसंधान शुरू किया गया। मौका मुआयना किया गया तो मौके पर किसी अनजान व्यक्ति के पद चिन्ह नहीं मिलने पर परिजनों से गहनता से पूछताछ की गई। जिस पर मामले में सामने आया कि पिता पुत्र का झगड़ा हुआ था। जिस पर बेटे ने ही अपने पिता के सर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। जिस पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले का अनुसंधान शुरू किया गया। मृतक सोदानराम पुत्र खेताराम नायक के पुत्र हीरालाल नायक ने अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने हीरालाल नायक को हत्या के जुर्म में गिरफ्तार किया है। मर्डर का खुलासा करने में थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई, कांस्टेबल जय सिंह, विनोद कुमार, नंदलाल डूडी, कर्णचंद, कुंदनमल की विशेष भूमिका रही है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।